आश्विन कृष्ण - 14 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 59 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 21-09-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 राष्ट्रीय हित सर्वोपरि होना चाहिए : खरगे

6 मेजर मल्लारामा गोपाल नायडू : हिंदुस्तान के शेर ने पाकिस्तान के 5 आतंकवादियों को किया था ढेर

7 एच-1बी वीजा कार्यक्रम का दुरुपयोग राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा : ट्रंप

नवरात्रि शुभ मुहूर्त

आसोज सुदी प्रतिपदा सोमवार दिनांक 22 नवम्बर को नवरात्रि उत्सव प्रारंभ हो रहा है। इस बार यह 10 दिन गुरुवार 2 अक्टूबर तक चलेगा। नवरात्रि के पहले दिन घट स्थापना का विधान है। घट स्थापना करने से देवी मां प्रसन्न होती हैं। धार्मिक मान्यता अनुसार कलश में ब्रह्मा, विष्णु, महेश और मातृगण का निवास बताया गया है। मां की पूजा के समय घट स्थापना करने से जातक को शुभ परिणामों की प्राप्ति होती है। नवरात्रि के पहले दिन शुभ संयोग व अच्छे मुहूर्त में कलश स्थापना करनी चाहिए। घट स्थापना के लिए शुभ मुहूर्त प्रातः 6.08 बजे से 7.30 बजे तक अमृत वेला, दिन में 9.10 बजे से 10.41 बजे तक शुभ वेला, श्रेष्ठ रहेगा। इस बार माताजी का आगमन हाथी पर हो रहा है, जो अति शुभ माना जाता है। मां के विशेष मन्त्र...

ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चे....

का जाप करना बहुत शुभ माना गया है।

- पंडित जगदीश आचार्य, बेंगलूरु
फोन : 9448417398

चिप हो या शिप हमें भारत में ही बनाने होंगे : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भावनगर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को अन्य देशों पर भारत की निर्भरता को उसका मुख्य दुश्मन बताया और आत्मनिर्भरता के मूल मंत्र पर जोर देते हुए कहा कि चिप हो या शिप...हमें भारत में ही बनाने होंगे। वह गुजरात में भावनगर के गांधी मैदान में 'समुद्र से समृद्धि' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे, जहां उन्होंने कुल 34,200 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया। मोदी ने कहा कि भारत की सभी समस्याओं का एक ही समाधान है और वह है आत्मनिर्भरता।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कुल 34,200 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया।

प्रधानमंत्री ने कहा, भारत वैश्विक बंधुत्व की भावना के साथ आगे बढ़ रहा है और आज दुनिया में भारत का कोई बड़ा दुश्मन नहीं है, लेकिन सही मायनों में भारत का सबसे बड़ा दुश्मन अन्य देशों पर निर्भरता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस निर्भरता को सामूहिक रूप से पराजित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विदेशी निर्भरता बढ़ने से राष्ट्रीय विफलता बढ़ती है। मोदी ने कहा, वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए, दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश को आत्मनिर्भर बनना होगा। उन्होंने आगाह किया कि दूसरों पर निर्भरता राष्ट्रीय स्वाभिमान के लिए खतरा है। उन्होंने कहा, 140 करोड़ भारतीयों का भविष्य बाहरी ताकतों पर नहीं छोड़ा जा सकता, न ही राष्ट्रीय विकास का संकल्प विदेशी निर्भरता पर आधारित हो सकता है। आने वाली पीढ़ियों का भविष्य दूसरों पर नहीं छोड़ा जा सकता। 140 करोड़ की आबादी वाला देश अगर दूसरों पर निर्भर है, तो यह राष्ट्रीय स्वाभिमान के साथ समझौता है। मोदी ने कहा कि एक लोकप्रिय कहावत के अनुसार, 100 प्रकार के दर्द का एक ही इलाज है, इसी तरह, भारत की सभी समस्याओं का एक ही समाधान है, और वह है आत्मनिर्भरता।

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन का पहला खंड 2027 में शुरू हो जाएगा : वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए शिलफाटा और घनसोली के बीच 4.88 किलोमीटर लंबी सुरंग की खुदाई का कार्य रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की उपस्थिति में शनिवार सुबह पूरा हो गया।

वैष्णव ने इसे ''ऐतिहासिक उपलब्धि'' बताते हुए कहा कि सूरत-बिलिमोरा खंड पर हाई-स्पीड कॉरिडोर का पहला चरण दिसंबर 2027 में शुरू हो जाएगा।

मुंबई के पास घनसोली में पत्रकारों से बात करते हुए मंत्री ने कहा कि बुलेट ट्रेन ''मध्यम वर्ग के लिए परिवहन'' का साधन होगी और किराया ''उचित'' होगा।

रेल मंत्री ने कहा कि 'गूगल मैप' ऐप मुंबई और अहमदाबाद के बीच यात्रा का समय नौ घंटे दिखाता है, लेकिन बुलेट ट्रेन से लोग यह दूरी दो घंटे सात मिनट में तय कर सकेंगे। वैष्णव ने कहा कि बुलेट ट्रेन परियोजना का पहला चरण 2027 में सूरत-बिलिमोरा खंड पर शुरू किया जाएगा। यह 2028 में ठाणे और 2029 में बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स तक हो जाएगा। उन्होंने कहा, ट्रेनों के परिचालन की इस तरह से योजना बनाई गई है कि सुबह और शाम के व्यस्त समय में हर आधे घंटे में एक ट्रेन रवाना होगी। पूरा नेटवर्क व्यवस्थित हो जाने पर, व्यस्त समय में हर 10 मिनट में एक ट्रेन उपलब्ध होगी।

मंत्री ने कहा कि मुंबई और अहमदाबाद के बीच यात्रा के लिए टिकट आरक्षित कराने की आवश्यकता नहीं होगी और यात्री स्टेशन पर टिकट ले सकेंगे।

सुरंग के एक छोर पर खड़े होकर, वैष्णव ने बटन दबाया और नियंत्रित डायनामाइट विस्फोट से इसकी अंतिम परत को तोड़ दिया, जिससे पांच किलोमीटर तक की खुदाई पूरी हो गई।

रूस ने यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर हमला किया, कई घायल

कीव/एपी। रूस ने शनिवार तड़के यूक्रेन के विभिन्न क्षेत्रों को निशाना बनाकर बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन हमला किया, जिसमें कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। यूक्रेनी अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि हमले निप्रॉपेट्रोस, मायकोलाइव, चेर्निहाइव, जापोरिजिया, पोल्टावा, कीव, ओडेसा, सुमी और खार्किव सहित नौ क्षेत्रों में हुए। उन्होंने कहा, दुश्मन का लक्ष्य हमारा बुनियादी ढांचा, आवासीय क्षेत्र और गैर सरकारी प्रतिष्ठान थे। उन्होंने कहा कि क्लस्टर हथियारों से लैस एक मिसाइल ने द्निप्रो शहर में एक बहुमंजिला इमारत पर हमला किया। उन्होंने अपने आधिकारिक 'टेलीग्राम' पर एक बयान में कहा, ऐसा प्रत्येक हमला सैन्य आवश्यकता नहीं है, बल्कि नागरिकों को डराने और हमारे बुनियादी ढांचे को नष्ट करने के लिए रूस की सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है।

भारत के पास एक 'कमजोर प्रधानमंत्री' हैं : राहुल

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अमेरिका द्वारा एच-1बी वीजा पर एक लाख डॉलर (88 लाख रुपए) का शुल्क लगाए जाने के बाद शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा और दावा किया कि भारत के पास एक ''कमजोर प्रधानमंत्री'' हैं। उन्होंने जुलाई, 2017 में 'एक्स' (उस समय के ट्विटर) पर किए गए अपने एक पोस्ट को साझा करते हुए प्रधानमंत्री को निशाने पर लिया। उस पोस्ट में भी कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री मोदी पर ''कमजोर प्रधानमंत्री'' होने का आरोप लगाया था। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने शनिवार को दावा किया, मैं इस बात को दोहराता हूं, भारत के पास एक कमजोर प्रधानमंत्री है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 'कुछ गैर आप्रवासी कामगारों के प्रवेश पर रोक' संबंधी सरकारी आदेश पर शुक्रवार को हस्ताक्षर किए।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

दल-सार

राजनीति में सब दल का,
लगभग समान होता चरित्र।
सत्ता लोभी कुर्सी जुगाड़ु,
अवसरवादी हैं सभी मित्र।
नायक हैं जिनके दूध धुले,
जनहितकारी सच्चे पवित्र।
सबकी आदर्श संहिताएं,
जिनमें होते हैं कईं छिद्र।।

मनुष्य भव एक बार गया तो वापस आएगा नहीं : संत ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने कहा कि यह मनुष्य भव बहुत ही दुर्लभ है। एक बार गया तो वापस आने वाला नहीं है, इसलिए संसार के मोह-माया से निकल कर मनुष्य भव को सुधार लेना चाहिए। अंत समय आएगा तो कोई साथ देने वाला नहीं है। इसलिए कुटुंब संसार को छोड़ कर जीवन का कल्याण कर लेना चाहिए।

यह मोह माया की जल फांसी की तरह है। मनुष्य जन्म बहुत ही मुश्किल होता है। यह चोला, तन, गुरु, धर्म, गति वापस मिलने वाला नहीं है, इसलिए इसका दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। दुरुपयोग किया तो पछताने के अलावा कुछ भी हाथ में नहीं आना है। आज के समय में मनुष्य का सम्मान नहीं, बल्कि उसके काम का सम्मान होता है। जैसा मनुष्य काम करता है वैसा ही उसे सम्मान मिलता है, इसलिए नाम चाहिए तो अच्छा काम करना चाहिए। अच्छा काम और धर्म ध्यान का काम करने वालों को जाने के बाद भी याद किया जाता है। सम्मान पाने के लिए लोगों के साथ अच्छा रहना पड़ता है, धर्म ध्यान करना पड़ता है,प्रभु भक्ति में लगना होता है। सभा में श्री नवयुवती महिला मंडल शिवाजीनगर की युवतियां उपस्थित थीं। उपाध्यक्ष कांतिलाल हरण ने स्वागत किया। महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने संचालन किया।

सहज स्मृति योग

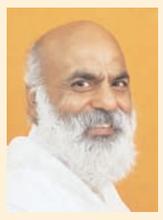

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, आप मानने से अधिक जोर जानने-पहचाने पर देते हो पर, जब-जब मैं इस पर विचार करता हूँ तो असमंजस ही बढ़ता है स्पष्टता नहीं। क्योंकि, जितना अधिक जानता जाता हूँ उतना अपने अज्ञानी होने का बोध अधिक बढ़ता जाता है। कुछ बताइए।

उत्तर: पहले आप अपने आप पर अर्थात् अपने जन्म पर चिंतन कीजिए। क्या आप अपने जन्मने को अपने माता पिता का वह निर्णय कहते हैं जिसमें आप सम्मिलित ही नहीं हुए। अर्थात् आपके जन्मने से पूर्व आप थे ही नहीं, इसलिए, आपके जन्मने में आपकी कोई सहमति या असहमति हो यह विकल्प ही नहीं था आपके पास। यदि ऐसा है तब तो फिर आपको यही मानना पड़ेगा न कि, आपके निर्माता (माता पिता) आपके मालिक हैं।परिवार और समाज में रहते हुए, उम्र की एक सीमा तक पहुँचने के बाद ही आपने धीरे धीरे ही जाना कि आप स्वतंत्र हैं और वैसे ही तथा उतने भर स्वतंत्र हैं जैसे और जितने आपके माता पिता स्वतंत्र हैं। और, यह स्वतंत्रता समाज द्वारा दी गई है। वह समाज के बनाए नियमों की सीमाओं, नियमों, संविधानों, मर्यादाओं आदि तक ही सीमित है। इस स्वतंत्रता की सीमा भी यही है इसलिए इसे 'मानना' पड़ता है। क्योंकि, यहाँ जानने की सीमा पहले से तय है जिस स्थिति में ज्ञान की सीमा पूर्व निर्धारित है उस स्थिति में अज्ञान ही ज्ञान के रूप में प्रतिष्ठित बना रहता है।इसलिए इस स्थिति में 'मानना' भर सीमा है। सारे नियम क़ानून इसी श्रेणी में आते हैं। परंतु यदि आप अपनी विशुद्ध हुई बुद्धि से यह 'जान गए हो' कि मनुष्य रूप में जन्म लेने का निर्णय आपका अपना है या आपके कर्मों के कारण हुआ है।माता पिता तो निमित्त मात्र या व्यवस्था मात्र हैं।तब बात भिन्न हो जाती है क्योंकि तब आप अध्यात्म पथ के पथिक हो जायेंगे। और तब जानने की प्रक्रिया में आपको अपने अज्ञानी होने का चाहे जितना बोध होता रहे, आपको जानने-पहचानने की ओर ही उन्मुख होना ही भाएगा। मानना आपको संतुष्ट नहीं कर पाएगा क्योंकि अंततः जानना ही विमुक्त करता है।

दिल्ली को शिक्षा केंद्र के रूप में परिवर्तित किया जाएगा : मुख्यमंत्री गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार का लक्ष्य राष्ट्रीय राजधानी को शिक्षा के केंद्र में बदलना है। उन्होंने कहा कि यहां भारी उद्योगों पर प्रतिबंधों के कारण इसे औद्योगिक केंद्र के रूप में विकसित नहीं किया जा सकता, लेकिन यह सीखने के लिए सबसे प्रमुख स्थान बन सकता है।

रेखा गुप्ता ने करमपुरा स्थित बी.आर. अंबेडकर विश्वविद्यालय (एयूडी) के परिसर में स्वामी विवेकानन्द भवन के उद्घाटन के मौके पर कहा, हम दिल्ली को शिक्षा केंद्र बनाने पर काम कर रहे हैं। शिक्षा के लिए सबसे अच्छी जगह की तलाश कर रहे विद्यार्थियों को सबसे पहले दिल्ली के बारे में सोचना चाहिए। हमें अपनी व्यवस्था को इतना मजबूत बनाना होगा कि हमारे बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाने की ज़रूरत ही न पड़े। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा, मुझे गर्व है कि हमने अपने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 75वें जन्मदिन के अवसर पर मनाए जा रहे सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत अंबेडकर विश्वविद्यालय के विवेकानंद भवन का उद्घाटन किया है। शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने विश्वविद्यालय की संपर्क संबंधी पहल जिक्र करते हुए कहा, एयूडी केवल कक्षाओं तक ही सीमित नहीं है। इसने सात झुग्गी बस्तियों और गांवों को गोद लिया है। बच्चों को शिक्षा और विकास प्रदान कर रहा है।

दीक्षार्थी हनुमानमल दुगड़ के मंगल भावना कार्यक्रम का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ भवन गांधीनगर में मुनि पुलकित कुमारजी व आदित्य कुमारजी के सान्निध्य में तेरापंथी सभा के तत्वावधान में दीक्षार्थी हनुमानमल दुगड़ के संयम अनुमोदना तथा मंगल भावना कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुनि पुलकित कुमारजी ने कहा कि भारतीय संस्कृति में संयम और त्याग का विशेष महत्व है। मुनि दीक्षा ग्रहण करना अर्थात् संयम की सिद्धियों के द्वार में प्रवेश करना होता है। यह आध्यात्मिक आरोहण की सशक्त सीढ़ी है। जैन मुनि दीक्षा स्वीकार करने का मतलब है पूर्ण पांच महाव्रत का जागरूकता पूर्वक आचरण करना। आदित्य मुनि ने गीत के द्वारा मंगल कामना प्रस्तुत की। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम के राष्ट्रीय अध्यक्ष हिम्मत मांडोत ने शुभकामनाएं दी। दीक्षार्थी का परिचय प्रतीक मालू ने दिया। उपासकों और तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम टीम की तरफ से गीतिका प्रस्तुत की गई । तेरापंथ सभा के मंत्री विनोद छाजेड़ ने संचालन किया। तेरापंथ सभा एवं अन्य सहयोगी संस्थाओं की ओर से दीक्षार्थी का सम्मान किया गया।

आत्मा को अच्छे कार्यों में प्रवृत्त कीजिए : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागडी रोड़ स्थित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर दरबार में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी ने

कहा कि साधक को अपनी आत्मा को शुभ भावों में प्रवृत्त करना चाहिए। हमारे अंदर सबुद्धि, समाधि, समता और सन्मति का गुण होना चाहिए तभी हमारी आत्मा सिद्धि के सर्वोच्च शिखर को प्राप्त कर सकती है। उत्तराध्ययन सूत्र के तीसरे महत्वपूर्ण अध्ययन पर विवेचना करते हुए कहा कि प्रवृत्ति काल, अप्रवृति काल, निवृत्ति काल, अशक्तिकाल और पांचवें अन्तकाल विषय पर की जा रही अपनी चर्चा को आगे बढ़ाते हुए कहा कि साधक को साधना के बाद भी अपने किए अच्छे कार्यों का चिंतन करते रहना चाहिए, जिससे हमारी धर्म साधना पर और श्रद्धा प्रगाढ़ हो और साथ में हमारे अशुभ कर्मों की निर्जरा भी होती रहे व शुभ कर्म पुण्य का संचय भी होता रहे।ङङङउन्होंने सुपात्रदान की महिमा बताते हुए कहा कि साधु साध्वी आदि को सुपात्र को प्रतिलाभित करने की उत्कृष्ट भावना अनेक भाव रोगों का उपचार करती है।

संतश्री ने मासखमण तप के पच्चक्खाण ग्रहण करने वाले तपस्वी समर्थमल कोठारी के तप की अनुमोदना की। शालिभद्रमुनिजी ने मधुर भजन प्रस्तुत किया और कार्यक्रम का संचालन किया। संघ व लाभार्थी मेहता परिवार द्वारा तपस्वी का सम्मान किया। इस अवसर पर बेंगलूरु के विभिन्न उपनगरों से तथा बाहर गांव से भी अनेक क्षेत्रों से गुरु भक्त उपस्थित थे।

अदालती आदेशों के खिलाफ अपील की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने की जरूरत : मेघवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने शनिवार को कहा कि सरकारी विभागों में अदालती आदेशों को चुनौती देने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने की जरूरत है।

केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (सीएटी) के एक सम्मेलन को यहां संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कई बार अदालतों द्वारा ठोस फैसले दिए जाने के बावजूद सरकारी विभाग अपील दायर कर देते हैं। उन्होंने संकेत दिया कि कभी-कभी अधिकारी अपनी जान बचाने के लिए अदालत या कैट के आदेशों को चुनौती देने के लिए अपील दायर करते हैं, क्योंकि फैसलों में उनके द्वारा लिए गए निर्णयों पर सवाल उठाए गए होते हैं। मेघवाल ने कहा कि उन्हें नियमित रूप से ऐसी फाइलें मिलती रहती हैं, जिनमें केंद्रीय विभाग ठोस अदालती आदेशों के खिलाफ अपील दायर करने की योजना बना रहे होते हैं। उन्होंने कहा कि सीएटी (कैट) को ई-फाइलिंग और डिजिटल सुनवाई जैसी नवीनतम तकनीकों का उपयोग करना होगा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भूगोल न्याय प्रदान करने में बाधा न बने। उन्होंने उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों पर मुकदमों का बोझ कम करने में न्यायाधिकरण की भूमिका की भी सराहना की।

बीजेएस के घुटना जांच परीक्षण शिविर में 150 लोग हुए लाभान्वित

मैसूरु/दक्षिण भारत । भारतीय जैन संगठन(बीजेएस), मैसूरु के तत्वावधान में शनिवार को कुंथुनाथ भवन के घुटना जांच परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 150 से भी ज्यादा लोग लाभान्वित हुए। शिविर में अहमादाबाद के घुटना शल्यचिकित्सा विशेषज्ञ डॉ जीतेन्द्र चौधरी एवं डॉ हेतल जैन ने घुटना, कूल्हे एवं कन्धे संबंधी दर्द एवं बीमारियों की चिकित्सा हेतु परीक्षण कर परामर्श किया तथा शल्य चिकित्सा के लिए चयन किया। मैसूरु शाखा के उपाध्यक्ष कुशल पालरेचा ने सभी का स्वागत किया।

स्थानकवासी जैन संघ के अध्यक्ष सुभाषचंद दरड़ा, सुमतिनाथ जैन मूर्तिपूजक संघ के सचिव कांतिलाल गुलेच्छा, तेरापंथ सभा के सचिव दिलीप पितलिया एवं संघठन के पदाधिकारियों ने दीप प्रज्वलन किया। इस मौके पर विभिन्न पाठशालाओं में धार्मिक अध्यापन सेवाएं प्रदान करने वाले सतीशकुमार मुणोत, नितेश गुरु, रूपेश गुरु, नरेंद्र गुरु एवं तरुण गुरु सहित कार्यक्रम के सहयोगी चन्दनमल प्रवीण लुणकर परिवार का सम्मान किया गया । उपाध्यक्ष नेमीचंद जैन ने धन्यवाद दिया।

परमात्म तत्व हमारे हृदय में ही विराजमान है : पंडित पवन शर्मा

बेंगलूरु//दक्षिण भारत। स्थानीय श्रीराम सेवा समिति एवं संस्कार सखी मंडल शांतिनगर के सहयोग से आयोजित श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव के छठे दिवस व्यासपीठ से कथावाचक पवन महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण की मनभावन कथाएं सुना कर भक्तों को भावविभोर कर दिया। कथा वाचक ने रासलीला के माध्यम से समझाया कि परमात्म तत्व हमारे हृदय में ही विराजमान है। कंस वध, कृष्ण द्वारा द्वारका स्थापित करना और कृष्ण रुक्मिणी विवाह के साथ कथा को विराम दिया गया। शांतिनगर की महिलाओं और अनेक भक्तों ने कथा का श्रवण किया।

गणेश उत्सव

बेंगलूरु के कामाक्षीपाल्या में क्षेत्र के नागरिकों द्वारा आयोजित गणेश उत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने भगवान गणेश की पूजा कर आशीर्वाद लिया एवं जरूरतमंद बच्चों को शिक्षण सामग्री वितरित की। इस मौके पर मुणोत ने कहा कि धर्म एक विज्ञान है, जो जीवन जीने की कला सिखाता है। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन के लिए घनसोली में सुरंग निर्माण में सफलता मिली

मुंबई/भाषा। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के तहत 4.88 किलोमीटर लंबी शिल्फाता-घनसोली सुरंग के निर्माण की दिशा में शनिवार सुबह कामयाबी मिली। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने यह जानकारी दी। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव घनसोली शाफ्ट पर मौजूद थे, जब नियंत्रित विस्फोट के जरिए यह सफलता हासिल की गई। न्यू ऑस्ट्रियन टनल मेथड (एनएटीएम) का उपयोग करके खोदी गई यह सुरंग, बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स और शिलफाता के बीच 21 किलोमीटर लंबे भूमिगत खंड का हिस्सा है। इसमें ठाणे क्रीक के नीचे सात किलोमीटर का खंड भी शामिल है। एनएचएसआरसीएल ने एक विज्ञप्ति में कहा कि सुरंग की खुदाई मई 2024 में तीन चरणों में शुरू हुई थी, और 2.7 किलोमीटर के खंड की पहली सफलता नौ जुलाई को हासिल की गई थी।

राज्यों की स्वतंत्रता खत्म कर उन्हें नगरपालिका बनाने पर आमादा है केंद्र : सुरजेवाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने शनिवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार राज्यों की स्वतंत्रता को खत्म करके उन्हें नगरपालिकाओं की स्थिति में पहुंचाने पर आमादा है। उन्होंने यह दावा भी किया कि मोदी सरकार सहकारी संघवाद के बजाय शत्रुतापूर्ण संघवाद में लिप्त है।

कांग्रेस नेता ने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की एक रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसमें दावा किया गया है कि राज्यों पर 10 वर्षों में लगभग 60 लाख करोड़ रुपए का कर्ज बढ़ गया है। सुरजेवाला ने 'एक्स' पर पोस्ट कर दावा किया कि भारत का संघवाद अभूतपूर्व दबाव में है। उन्होंने कहा कि राज्य पहले से ही एक दशक में तीन गुना कर्ज में डूबे हुए हैं और अब केंद्र सरकार द्वारा जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर और मनमाने केंद्रीय शुल्कों के प्रबंधन के माध्यम से उनकी राजकोषीय स्वतंत्रता छीनी जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य बढ़ते कर्ज और घटते राजस्व के दोहरे संकट का सामना कर रहे हैं। सुरजेवाला ने आरोप लगाया, सहकारी संघवाद' दांव पर है, सत्ता का विकेंद्रीकरण' दांव पर है, और हम जो देख रहे हैं वह 'राज्यों को ख़त्म' करने, उनकी 'कार्यक्षमता' को खोखला करने और केंद्र के हाथों में 'सत्ता का संघीकरण' करने का प्रयास हो रहा है।

विहिप ने गरबा में 'केवल हिंदुओं' के प्रवेश की वकालत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने शनिवार को कहा कि नवरात्र के अवसर पर आयोजित होने वाले 'गरबा' कार्यक्रमों में केवल हिंदुओं को ही प्रवेश दिया जाना चाहिए। उसने आयोजकों को सलाह दी कि वे पहचान के लिए प्रवेश करने वालों के आधार कार्ड की जांच करें।

महाराष्ट्र के मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि आयोजकों को किसी कार्यक्रम में प्रवेश की शर्तें तय करने का अधिकार है, बशर्ते वह पुलिस की अनुमति से आयोजित किया जा रहा हो। कांग्रेस के विजय वडेट्टीवार ने आरोप लगाया कि विहिप 'समाज में आग लगा देना' चाहती है। राज्य में सबसे ज्यादा मनाये जाने वाले त्योहारों में से एक, नवरात्रि 22 सितंबर से एक अक्टूबर तक मनायी जायेगी। विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्रीराज नायर ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, गरबा सिर्फ एक नृत्य नहीं है, बल्कि देवी को प्रसन्न करने के लिए की जाने वाली पूजा का एक रूप है। वे (यानी मुसलमान) मूर्ति पूजा में विश्वास नहीं करते हैं। केवल उन्हीं लोगों को इसमें भाग लेने की अनुमति दी जानी चाहिए जो इन अनुष्ठानों में आस्था रखते हैं। उन्होंने कहा कि विहिप ने गरबा आयोजकों को परामर्श जारी कर उनसे प्रवेश द्वार पर आधार कार्ड की जांच करने एवं प्रतिभागियों को तिलक लगाने का आग्रह किया है और यह भी सुनिश्चित करने को कहा है कि प्रवेश करने से पहले प्रतिभागी पूजा करें। नायर ने कहा,''विहिप और बजरंग दल के कार्यकर्ता इन आयोजनों पर नजर रखेंगे। गरबा मनोरंजन नहीं बल्कि पूजा का एक रूप है। जिन लोगों की देवी में आस्था नहीं है, उन्हें इसका हिस्सा नहीं बनना चाहिए। विहिप के रुख पर बावनकुले ने कहा कि (प्रवेश द्वार पर) इस तरह के प्रतिबंध लगाना आयोजन समितियों के अधिकार में है।

बावनकुले ने संवाददाताओं से कहा, यह उनका अधिकार है। निर्णायक बात यह है कि आयोजन के लिए पुलिस की अनुमति है या नहीं। आयोजन समितियों को इसके आधार पर ही निर्णय लेना चाहिए। प्रदेश भाजपा के मीडिया प्रमुख नवनाथ बान ने विहिप की घोषणा को लेकर पूछे गए एक एक सवाल के जवाब में कहा कि गरबा एक हिंदू आयोजन है और ''दूसरे धर्मों के लोगों को हिंदुओं द्वारा गरबा करने और देवी की पूजा करने में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा, हम देवी की पूजा करते हैं, जो हमारी मां के समान हैं।

वनबंधु परिषद महिला समिति की ऑनलाइन बैठक सम्पन्न

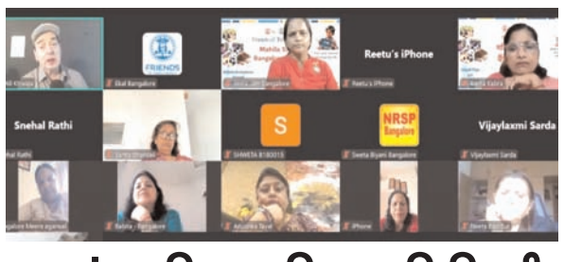

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। वनबंधु परिषद महिला समिति की सदस्याओं ने 'आत्महत्या रोकथाम के लिए जागरूकता' विषय पर ऑनलाइन बैठक का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित बंजारा अकादमी के संस्थापक डॉक्टर अली ख्वाजा एवं प्रोग्राम डायरेक्टर पूर्णिमा गणेश थे। अध्यक्ष कांता काबरा ने बैठक में शामिल 60 लोगों का स्वागत किया तथा अनीता ने संचालन किया। डॉ अली ख्वाजा ने कहा कि कोई भी आत्महत्या अचानक नहीं करता है, यह बहुत दिनों से उसके दिमाग में चल रही हलचल और अनुचित विचारों के कारण होता है। पहले लक्षण दिखते हैं लेकिन उस पर ध्यान नहीं दिया जाता है तो ऐसा होता है ।

बच्चों में किस-किस तरह के व्यावहारिक बदलाव पर ध्यान दिया जाना चाहिए इस बारे में टिप्स दिए गए। पूर्णिमा गणेश ने प्रतिभागियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दिए। राष्ट्रीय महिला समिति की सचिव रेनू कनोड़िया एवं सहसंगठन मंत्री सरिता भंसाली ने भी अपने अनुभव साझा किए।

मोदी ने गुजरात में अवाडा समूह की 1,600 करोड़ रुपए की सौर परियोजना का उद्घाटन किया

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को अवाडा समूह की 1,600 करोड़ रुपए की सौर परियोजना का उद्घाटन किया और गुजरात में कंपनी की नई 100 मेगावाट की सौर परियोजना की आधारशिला रखी।

विनीत मित्तल के नेतृत्व वाले औद्योगिक घराने ने एक बयान में कहा कि 280 मेगावाट की यह परियोजना राज्य के सुरेंद्रनगर जिले के तवी और वरसानी गांवों में 1,170 एकड़ में फैली है। इसमें कुल 1,500 करोड़ रुपए का निवेश शामिल है। बयान के मुताबिक, गुजरात राज्य सौर नीति के तहत विकसित की गई इस परियोजना का औपचारिक उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया। इससे भारत के स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन में तेजी लाने और आत्मनिर्भर भारत के नजरिये को मजबूत करने की प्रतिबद्धता का पता चलता है। परियोजना से तैयार बिजली जीयूवीएनएल (गुजरात ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड) को दी जाएगी, जो राज्य के नवीकरणीय ऊर्जा मिशन में महत्वपूर्ण योगदान देगी। इससे क्षेत्र के नागरिकों, विशेषकर किसानों के लिए स्वच्छ और अधिक किफायती बिजली सुनिश्चित करेगी। कंपनी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने वडोदरा जिले में अवाडा की 100 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना का भी वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये शिलान्यास किया। कुल 350 एकड़ में फैली और 400 करोड़ रुपए के निवेश वाली यह परियोजना अवाडा जीजे सोलर द्वारा कार्यान्वित की जा रही है और इसके अप्रैल 2026 तक चालू होने की उम्मीद है।

वंचितों को समान अवसर प्रदान करने के लिए सर्वेक्षण आवश्यक : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। राज्य में प्रस्तावित सर्वेक्षण केवल जातिगत सर्वेक्षण नहीं, बल्कि आर्थिक, सामाजिक और शैक्षिक स्थिति का सर्वेक्षण है। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शनिवार को यहां कहा कि यह सर्वेक्षण वंचितों को समान अवसर प्रदान करने के लिए किया जा रहा है, जिसमें लोगों की जाति का विवरण और उनकी आर्थिक, सामाजिक और शैक्षिक स्थिति का विवरण भी शामिल है। उन्होंने आज गदग के सर्किट हाउस में मीडिया से बात की।

जातिगत सर्वेक्षण में ईसाई जैसी विभिन्न जातियों का उल्लेख किया जाएगा या नहीं, इस प्रश्न पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, इस पर राय व्यक्त की गई और पिछड़ा वर्ग आयोग अनावश्यक तत्वों को हटाने का निर्णय लेगा।

आयोग एक वैधानिक निकाय है और सरकार ने केवल सर्वेक्षण करने के लिए दिशानिर्देश दिए हैं। सर्वेक्षण के लिए 1,75,000 शिक्षकों को नियुक्त किया गया है। प्रत्येक शिक्षक 150 घरों से जानकारी एकत्र करेगा और यह सर्वेक्षण 15 दिनों तक चलेगा। उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण में धर्म, जाति, उपजाति, शिक्षा, रोज़गार समेत कई जानकारियाँ एकत्रित की जाएँगी।

वचनानंद स्वामीजी द्वारा जाति जनगणना के पीछे षडयंत्र होने के आरोपों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार भी जाति सर्वेक्षण कराएगी, और क्या उसमें भी कोई षडयंत्र होगा? किसी भी मंत्री ने सर्वेक्षण का विरोध नहीं किया है। उन्होंने कहा कि समाज में समानता लाने के लिए सरकारी योजनाओं में गरीबों को प्राथमिकता देनी होगी। राज्यपाल से सर्वेक्षण के फैसले पर पुनर्विचार करने का निर्देश देने के भाजपा के अनुरोध पर मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सर्वेक्षण के मुद्दे पर राजनीति कर रही है। सर्वेक्षण के मुद्दे पर जाति विभाजन का कोई सवाल ही नहीं है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा मतदान में गड़बड़ी के आरोपों पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने अलंद विधानसभा क्षेत्र में मतदान में गड़बड़ी का मुद्दा उठाया था, जहाँ लगभग 6000 मतदाताओं के नाम सूची में नहीं थे, जो सच है। उन्होंने कहा कि अलंद में मतदान में गड़बड़ी के मामले की एसआईटी जाँच कराई जाएगी।

बारिश के चलते गड्ढों को लेकर भाजपा के राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि यह सच है कि इस बार राज्य में भारी बारिश के कारण सड़कें खस्ताहाल हैं।

बेंगलूरु सहित विभिन्न जिलों में स्थिति की समीक्षा के लिए एक बैठक आयोजित की जाएगी और उचित कार्रवाई के निर्देश दिए जाएँगे। उन्होंने कहा कि भाजपा के कार्यकाल में एक भी सड़क नहीं बनी है और न ही एक भी गड्ढा भरा गया है।

ईसाई उप-जातियों के कॉलम को जाति सर्वेक्षण से हटा दिया गया है : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शनिवार को संकेत दिया कि जाति सर्वेक्षण से ईसाई उप-जातियों वाला कॉलम हटा दिया गया है। सिद्दरामय्या ने यहां पत्रकारों से बात करते हुए भाजपा पर इस मामले का 'राजनीतिकरण' करने का आरोप लगाया। ईसाई उपजाति श्रेणी को लेकर भ्रम की स्थिति पर टिप्पणी करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, ''इसे अब हटा दिया गया है।

'' स्पष्टीकरण देते हुए उन्होंने कहा, ''मैंने इसे नहीं हटाया है। पिछड़ा वर्ग आयोग एक वैधानिक निकाय है। हम इसमें हस्तक्षेप नहीं कर सकते। हम इसे निर्देश नहीं दे सकते। हमने इसे दिशानिर्देश मुहैया कराए हैं और उन्हें इनके अनुसार काम करने को कहा है।''

एक प्रश्न के उत्तर में सिद्दरामय्या ने कहा कि राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने उन्हें भाजपा नेताओं के प्रतिनिधिमंडल द्वारा सौंपा गया पत्र भेजा है। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को आगामी जाति सर्वेक्षण में 'कुंबारा क्रिश्चियन', 'कुरुबा क्रिश्चियन' जैसे जातीय नामों के साथ ईसाई पहचान जोड़े जाने को लेकर सचेत किया है। उन्होंने कहा कि इससे राज्य की सामाजिक संरचना को सामाजिक अशांति, दीर्घकालिक जटिलताएं और अपूरणीय क्षति' हो सकती है। राज्यपाल ने 16 सितंबर को सिद्दरामय्या को लिखे अपने पत्र में इस मुद्दे पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया।

कांग्रेस पर जातियों को बांटने के भाजपा के आरोप पर सिद्दरामय्या ने कहा, ''हम जातियां कहां बांट रहे हैं? सरकार को आपकी (लोगों की) सामाजिक-शैक्षणिक और आर्थिक स्थिति पता होनी चाहिए। बिना इसे जाने हम आपके लिए नीतियां कैसे बना सकते हैं?'' पंचमसाली जगद्गुरु वचनानंद स्वामीजी द्वारा इस सर्वेक्षण को एक साज़िश बताए जाने के सवाल पर, सिद्दरामय्या ने आश्चर्य जताया कि क्या केंद्र द्वारा जाति जनगणना कराना भी एक साज़िश मानी जा सकती है।

सरल जीएसटी का तोहफा : शहजाद पूनावाला

'कर्नाटक में बटनों वाली सरकार है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। नवरात्रि के पहले दिन, 22 सितंबर को, देश में सरलीकृत जीएसटी प्रणाली लागू होगी। इसके ज़रिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने दिवाली से पहले दिवाली का तोहफा दिया है, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने विश्लेषण किया। शनिवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा कि नई जीएसटी प्रणाली से मध्यम वर्ग को ज़्यादा फ़ायदा होगा। उन्होंने बताया कि टैक्स स्लैब सरल होगा। उन्होंने कहा कि यह कोई गब्बर सिंह टैक्स नहीं है; यह एक अच्छा और सरल टैक्स है। उन्होंने कहा कि इससे बचत बढ़ेगी और लोगों को न्यूनतम टैक्स का लाभ मिलेगा।

पहले राज्यों में कई टैक्स प्रणालियाँ लागू थीं। जीएसटी 8 साल पहले लागू हुआ था। तब 4 स्लैब थे। 22 तारीख से इसे 2 टैक्स स्लैब (5 और 18 प्रतिशत) में बदल दिया जाएगा। 99 वस्तुएँ जो 12 प्रतिशत से कम कर के दायरे में थीं, अब 5 प्रतिशत कर के दायरे में आएँगी। ज़्यादातर वस्तुएँ जो 28 प्रतिशत कर के दायरे में थीं, अब 18 प्रतिशत के दायरे में आएँगी। उन्होंने कहा कि इन सभी की कीमतें कम हो रही हैं। सरकार ने मेट्रो रेल कनेक्टिविटी का विस्तार, सार्वजनिक परिवहन पर ज़ोर, आयकर सीमा को 12 लाख तक बढ़ाना, गृह ऋण और शिक्षा ऋण पर ब्याज कम किया गया है। उन्होंने कहा कि मुद्रास्फीति में न्यूनतम योगदान दिया गया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि एक ओर, कर्नाटक में कट और पेस्ट का मॉडल है। मूल्य वृद्धि के ज़रिए लूट, मुदा, वाल्मीकि और उत्पाद शुल्क सहित विभिन्न घोटालों के ज़रिए लूट। स्टांप शुल्क, पानी, दूध, पेट्रोल, डीज़ल सभी आवश्यक वस्तुओं की कीमतें बढ़ा दी गई हैं। यह सिर्फ़ लूटने वाली सरकार नहीं है; उन्होंने इस सरकार पर झूठ बोलने का आरोप लगाया। उन्होंने आलोचना की कि डीके शिवकुमार और सिद्दरामय्या के बीच कुर्सी की लड़ाई चल रही है। गारंटियों का पालन नहीं किया जा रहा है; उच्च करों के बावजूद, गड्ढे और बुनियादी ढाँचे की कमी लोगों को प्रभावित कर रही है। दूसरी ओर, मोदी मॉडल सरकार है। यह लूट और झूठ से मुक्त सरकार है। उन्होंने विश्लेषण किया कि देश को मज़बूत बनाने वाली और मध्यम वर्ग को लाभ पहुँचाने वाली सरकार केंद्र में है। उन्होंने कहा कि किसानों, युवाओं और एमएसएमई को सलाम करने वाली सरकार केंद्र में है।

केंद्र भारत की अर्थव्यवस्था को एक मज़बूत आर्थिक शक्ति के रूप में मज़बूत करने के लिए काम कर रहा है। उन्होंने आलोचना की कि कुछ लोग राजनीतिक क्षेत्र में विफल रहे हैं और कहते हैं कि हमारी अर्थव्यवस्था मृत्यु की ओर बढ़ रही है। भारत की अर्थव्यवस्था पहले बहुत कमज़ोर थी। पिछले 11 वर्षों में, प्रधानमंत्री मोदीजी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के नेतृत्व में, यह दुनिया की चौथी सबसे मज़बूत अर्थव्यवस्था बन गई है। यह बहुत तेज़ी से बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि जीडीपी वृद्धि दर 7.5 प्रतिशत है।

मुद्रास्फीति, जो दोहरे अंकों में थी, अब 2 प्रतिशत पर है, जो न्यूनतम स्तर पर है। एनपीए न्यूनतम स्तर पर है। देश के पास 703 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार है। निर्यात में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि हमारी क्रेडिट रेटिंग में भी सुधार हुआ है। उन्होंने बताया कि ईपीएफओ (भविष्य निधि संगठन) के आंकड़ों पर गौर करें तो बेरोजगारी दर भी न्यूनतम स्तर पर आ गई है। पिछले 10-11 वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठे हैं। उन्होंने कहा कि दरबारी पीढ़ी के लोगों को उचित जवाब मिल रहा है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में होना मेरे लिए वास्तव में सम्मान की बात है। उन्होंने सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर भाजपा के राज्य सचिव और सांसद कैप्टन बृजेश चौटा, विधान परिषद के मुख्य सचेतक एन. रविकुमार, पूर्व सांसद मुनिस्वामी, बेंगलूरु दक्षिण जिला अध्यक्ष और विधायक सीके राममूर्ति, प्रदेश प्रवक्ता सुरभि होडिगेरे, आर्थिक प्रकोष्ठ के राज्य समन्वयक प्रशांत जीएस, राज्य मीडिया समन्वयक करुणाकर खासले ने भाग लिया।

केंद्र सरकार कर्नाटक से मूंग, काला चना, सूरजमुखी खरीदेगी : जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने शनिवार को कहा कि मूल्य समर्थन योजना प्रणाली के तहत केंद्र सरकार कर्नाटक से मूंग, काला मूंग, सूरजमुखी, मूंगफली और सोयाबीन की खरीद करेगी, जिससे राज्य के किसानों को काफी लाभ होगा। मंत्री ने कहा कि उन्होंने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से अनुरोध किया है कि वह राज्य सरकार द्वारा प्रस्तावित मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस) के तहत वित्त वर्ष 2025-26 खरीफ सीजन के दौरान कर्नाटक में उगाई गई इन फसलों की खरीद को मंजूरी दें।

उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में चौहान का एक पत्र साझा किया, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि केंद्र सरकार ने अब इस अनुरोध को मंजूरी दे दी है। चौहान ने जोशी को 20 सितंबर को लिखे पत्र में कहा, मुझे आपको यह बताते हुए खुशी हो रही है कि कर्नाटक सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 खरीफ सत्र के दौरान राज्य में मूंग, काला चना, सूरजमुखी, मूंगफली और सोयाबीन की खरीद के लिए पीएसएस के कार्यान्वयन के प्रस्ताव भेजे हैं। उचित विचार-विमर्श के बाद, इस मंत्रालय ने कर्नाटक में पीएसएस के तहत 38,000 मीट्रिक टन मूंग, 60,180 मीट्रिक टन काला चना, 15,650 मीट्रिक टन सूरजमुखी, 61,148 मीट्रिक टन मूंगफली और 1,15,000 मीट्रिक टन सोयाबीन की खरीद को मंजूरी दे दी है। पत्र में आगे कहा गया कि यह मंजूरी किसानों के हितों की रक्षा करने और उन्हें एक स्थिर व टिकाऊ आय सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

जोशी ने कहा कि यह निर्णय किसानों के कल्याण के प्रति केंद्र सरकार की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कर्नाटक सरकार से आग्रह किया कि वह तुरंत जिला-वार खरीद केंद्र स्थापित करे और पूरे राज्य में खरीद प्रक्रिया शुरू करे।

हिंदुस्तानी संगीत के प्रख्यात गायक पंडित वेंकटेश कुमार को संगीत विद्वान पुरस्कार दिया जाएगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रसिद्ध हिंदुस्तानी गायक पंडित एम वेंकटेश कुमार को इस वर्ष के राज्य संगीत विद्वान पुरस्कार के लिए चयनित किया गया है। कर्नाटक के कन्नड़ एवं संस्कृति तथा पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री शिवराज तंगदागी ने शनिवार को इसकी घोषणा की। कन्नड़ और संस्कृति विभाग द्वारा 'नाड हब्बा दशहरा' समारोह के दौरान प्रतिवर्ष प्रदान किया जाने वाला यह पुरस्कार 22 सितंबर को मैसूर पैलेस के सामने एक विशेष समारोह में प्रदान किया जाएगा। मंत्री ने एक बयान में कहा कि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या यह सम्मान प्रदान करेंगे।

चयन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए तंगदागी ने कहा कि पंडित वेंकटेश कुमार को हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के सर्वश्रेष्ठ प्रतिपादकों में से एक माना जाता है और उन्होंने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से देश-विदेश में व्यापक प्रशंसा प्राप्त की है। संगीतकार वाई के मुद्दुकृष्णा की अध्यक्षता वाली समिति द्वारा उनका चयन किया गया। पुरस्कार के अंतर्गत पांच लाख रुपये नकद, एक स्मृति चिह्न और एक प्रशस्ति पत्र दिया जाता है।

बेंगलूरु में पहले राष्ट्रीय रैंकिंग व्हीलचेयर टेनिस टूर्नामेंट का हुआ समापन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक व्हीलचेयर टेनिस संघ (केडब्ल्यूटीए), कर्नाटक राज्य लॉन टेनिस संघ (केएसएलटीए) के सहयोग से, 17 से 20 सितंबर तक लॉन टेनिस कोर्ट में आयोजित पहले राष्ट्रीय रैंकिंग व्हीलचेयर टेनिस टूर्नामेंट के सफल समापन की घोषणा करता है। यह ऐतिहासिक आयोजन भारत में व्हीलचेयर टेनिस के लिए एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित हुआ, जिसने देश के शीर्ष व्हीलचेयर टेनिस एथलीटों के लचीलेपन, कौशल और खेल भावना का प्रदर्शन किया।

अखिल भारतीय टेनिस संघ(एआईटीए) द्वारा आधिकारिक रूप से मान्यता प्राप्त इस टूर्नामेंट में देश भर के विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले 50 से अधिक खिलाड़ियों के बीच जोशीला मुकाबला देखने को मिला। रोमांचक मैचों ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया और भारतीय खेलों में समावेशिता और मान्यता को बढ़ावा दिया। समापन पर शनिवार को कर्नाटक व्हीलचेयर टेनिस एसोसिएशन के निदेशक बी.आर. चंद्रकांत ने कहा, हमें एथलीटों और इस उद्घाटन टूर्नामेंट को सफल बनाने में योगदान देने वाले सभी लोगों पर बेहद गर्व है। इस आयोजन ने भारत में व्हीलचेयर टेनिस को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाने की नींव रखी है, और हम एक समावेशी खेल समुदाय के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हैं जो देश के हर हिस्से की प्रतिभाओं को पोषित और सम्मानित करे।

केडब्ल्यूटीए की पुनर्जीवित प्रबंध समिति, प्रतिभा खोज, खिलाड़ी विकास और छोटे शहरों में खेल की पहुँच बढ़ाने के अपने त्रि-आयामी मिशन के साथ, शारीरिक और मानसिक फिटनेस प्रशिक्षण, आहार योजना और समग्र स्वास्थ्य पहलों के माध्यम से व्यापक समर्थन प्रदान करना जारी रखे हुए है। यह टूर्नामेंट कॉर्पोरेट भागीदारों के उदार समर्थन से संभव हुआ, जिनमें शीर्षक प्रायोजक इंफ्रा, सहयोगी प्रायोजक कार्ले और बाल्डोटा और स्वर्ण सह-प्रायोजक बाल्डोटा ब्रदर्स और क्रिएटिव ज्योमेट्री शामिल हैं। उनके योगदान ने एथलीटों को सशक्त बनाने और खेल की प्रमुखता को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कांग्रेस सरकार ने कर्नाटक में पुलिस राज स्थापित कर दिया है : रवि कुमार

बेंगलूरु। विधान परिषद में विपक्ष के मुख्य सचेतक एन. रवि कुमार ने शनिवार को यहाँ आरोप लगाया कि राज्य की कांग्रेस सरकार विपक्षी दलों को आतंकित करने के लिए पुलिस का दुरुपयोग कर रही है। एक बयान में, रवि कुमार ने विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी और कृष्णराजा विधायक श्रीवत्स के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के लिए राज्य सरकार की कड़ी आलोचना की। रवि कुमार ने कहा, ऐसा लगता है कि कांग्रेस सरकार किसी न किसी बहाने विपक्ष को आतंकित करने के लिए बेताब है। एक तुच्छ शिकायत और एक गैर-मुद्दे के आधार पर दोनों भाजपा नेताओं के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का कोई कारण नहीं था। उन्होंने कहा, यह अलग बात है कि भाजपा इन धमकियों से नहीं डरेगी। हमने कठोर आपातकाल के खिलाफ लड़ाई लड़ी और विजयी हुए। सिद्दरामय्या हमारे लिए कोई मायने नहीं रखते। रवि कुमार ने कहा कि भाजपा कांग्रेस सरकार द्वारा शुरू किए गए पुलिस राज के खिलाफ कानूनी और राजनीतिक दोनों तरह की लड़ाई लड़ेगी।

छात्रों में तर्कसंगत सोच विकसित करें : स्टालिन

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने शनिवार को कहा कि शिक्षकों का कर्तव्य और जिम्मेदारी है कि वे छात्रों में तर्कसंगत सोच विकसित करें और ''उन्हें कैसे और क्यों'' जैसे प्रश्न पूछकर हर चीज को तर्कसंगत दृष्टिकोण से देखने के लिए तैयार करें। यहां स्कूल शिक्षा विभाग के एक समारोह को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने शिक्षकों से कहा कि छात्रों को समानता और सामाजिक न्याय की आवश्यकता के बारे में सिखाया जाना चाहिए। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया, ''छात्रों के लिए अच्छे आदर्श पेश करें और आप स्वयं एक आदर्श व्यक्ति बनें। द्रमुक अध्यक्ष ने कहा कि शिक्षकों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि छात्रों में जातिवादी और लैंगिक भेदभाव की प्रवृत्तियां न उभरें।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

निविदा सूचना सं: CAO/CN/BNC/139/2025
दिनांक: 04.09.2025 के लिए शुद्धिपत्र-1

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
बेंगलूरु कंटोन्मेंट प्रदेश पर इलेक्ट्रिकल कार्यों के साथ कार्यालय, सेवा बिल्डिंग (एस+ 3 व जी+ 5) का निर्माण और विभिन्न सुधारण कार्य। (संयुक्त कार्य) उप कार्य-1: बेंगलूरु कंटोन्मेंट (बीएनसी) स्टेशन पर आरआरबी कार्यालय बिल्डिंग (एस+ 3) का निर्माण। उप कार्य-2: बेंगलूरु कंटोन्मेंट (बीएनसी) स्टेशन पर जियो टैक लैब, एसएसई/डब्ल्यू/बीएनसी (ओएल) कार्यालय, एसएसई/एचक्यू/सीएन/बीएनसी कार्यालय, पर्यवेक्षक विश्राम गृह और जी+5 रचना के अंतर्गत कैंटीन का निर्माण। उप कार्य-3: बेंगलूरु कंटोन्मेंट (बीएनसी) स्टेशन पर, बाहरी विकास जैसे बिटुमेन रोड, ग्राउंड, कंपाउंड, पोर्टा केबिन और वर्कस्टेशन जैसे विभिन्न कार्यों। (निविदा संदर्भ सं.: BNC-REDEV-MISC-WORKS)	रु. 16,07,82,205/-

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि	
मौजूदा	संशोधित
26.09.2025, 15:00 बजे तक	10.10.2025

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/कार्य/ बेंगलूरु छावनी
PUB/487/AAMO/PRB/SWR/2025-26

अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

मुलाकात

शनिवार को नई दिल्ली में कर्नाटक के राज्यपाल थावरचन्द गहलोत ने केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ सोहार्दपूर्ण बैठक की।

डबल इंजन की सरकार वागड़ क्षेत्र का कर रही बुनियादी विकास : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बांसवाड़ा। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वागड़ के बुनियादी विकास के लिए डबल इंजन की सरकार को कृतसंकल्पित बताते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रदेश को विकास की महत्वपूर्ण सौगातें दी हैं और बांसवाड़ा-डूंगरपुर सहित सम्पूर्ण आदिवासी क्षेत्र में गरीब कल्याण एवं विकास योजनाओं के माध्यम से स्थानीय निवासियों को रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। जिससे उनका जीवनस्तर भी बेहतर बन रहा है।

शर्मा ने शनिवार को बांसवाड़ा के कुशलबाग क्रिकेट स्टेडियम में शहरी सेवा शिविर का अवलोकन तथा निक्षय पोषण किट का वितरण किया और इस अवसर पर आमजन को संबोधित करते हुए यह बात कही।उन्होंने कहा कि मोदी के जन्मदिन पर गत 17 सितंबर से राज्य सरकार प्रदेश में शहरी सेवा शिविर और ग्रामीण सेवा शिविर का आयोजन कर रही है। इन शिविरों के माध्यम से पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय का संकल्प साकार हो रहा है तथा जनोपयोगी कार्य प्राथमिकता से किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार 'राजस्थान धर्मांतरण विरोधी विधेयक' लाई है। इस कानून से बहला फुसलाकर तथा जबरन धर्मांतरण जैसे मामलों पर अंकुश लगेगा। उन्होंने कहा कि टीबी मुक्त भारत अभियान एक राष्ट्रीय संकल्प है। इसलिए किसी भी व्यक्ति को खांसी, बुखार, वजन कम होना, सांस लेने में तकलीफ हो तो तुरंत शिविरों में जाकर जांच करवाकर इलाज लें। उन्होंने कहा कि स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत माताओं-बहनों को शिविरों में ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और कैंसर समेत एनीमिया, टीबी और सिकल सेल जैसी बीमारियों की जांच भी की जा रही है।

शर्मा ने कहा कि शहरी सेवा शिविर में जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र से लेकर जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र तत्काल बन रहे हैं। साथ ही पेंशन योजनाओं में नाम दर्ज कराने से लेकर राशन कार्ड बनवाने तक, सभी काम शिविरों में हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि शहरों की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए व्यापक अभियान चलाए जा रहे हैं। ब्लैक स्पॉट खत्म करने और सड़कों, नालियों तथा सीवर लाइनों की मरम्मत करने जैसे कार्य भी इन शिविरों के तहत करवाए जा रहे हैं। बंद पड़ी स्ट्रीट लाइट्स को ठीक किया जा रहा है, नमो पार्क विकसित किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण सेवा शिविर में स्वामित्व योजना के तहत स्वामित्व पट्टे देने तथा किसान गिरदावरी एप द्वारा गिरदावरी कराने जैसे कार्य हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य और टीबी मुक्त भारत अभियान से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है।

पशुओं की जांच, इलाज और टीकाकरण की सुविधा भी उपलब्ध हो रही है। साथ ही स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों, छात्रावासों एवं सड़कों की मरम्मत एवं सौंदर्यीकरण के कार्य भी इन शिविरों में किए जा रहे हैं। इससे पहले मुख्यमंत्री ने शहरी सेवा शिविर के लाभार्थियों से संवाद कर विभिन्न विभागों की स्टॉल्स पर योजनाओं की जानकारी ली। इस दौरान शर्मा ने सभी से अपील करते हुए कहा कि सेवा पखवाड़े का लाभ उठाएं और अपने आस-पास के लोगों को भी इन शिविरों से जोड़ें।

निकाय चुनाव कराने को सरकार तैयार है : खर्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। राजस्थान के नगरीय विकास एवं स्वायत शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा है कि सरकार निकाय निगम चुनाव कराने के लिए तैयार है, निर्वाचन आयोग जब चाहे चुनाव करा ले। खर्रा ने शनिवार को राजस्थान में अलवर में पत्रकारों से कहा कि निर्वाचन आयुक्त ने कहा था कि राज्य में नवम्बर या दिसम्बर के शुरुआत में मतदाता सूची अद्यतन कर ली जायेगी। इसके अलावा अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग ने भी तीन महीने का समय मांगा है । उसकी रिपोर्ट आने में तीन महीने लग जायेंगे। वह रिपोर्ट भी दिसम्बर के पहले सप्ताह तक आ जाएगी। उसके बाद निर्वाचन आयोग चुनाव करा ले।

उन्होंने कहा कि सरकार ने सभी तैयारियां कर ली हैं। नगर निकायों के चुनाव सीधे कराने के सवाल पर उन्होंने कहा कि जो वर्तमान में व्यवस्था है, उसी आधार पर चुनाव हो सकते हैं। अगर बदलाव किया जायेगा तो शिविरों के बाद जन प्रतिनिधियों से सलाह मशवरा करके मंत्रिमंडल की बैठक में जो भी निर्णय होगा उस आधार पर चुनाव कराये जायेंगे। राज्य भर में लग रहे शिविरों को लेकर खर्रा ने कहा कि 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक ये शिविर लग रहे हैं, जिनमें आमजन से संबंधित सभी कार्य हो रहे हैं। सभी कार्य ऑनलाइन हो रहे हैं। किसी को भटकने की जरूरत नहीं है। जो अशिक्षित हैं, वे शिविर में जाकर अपना काम करा सकते हैं। इसके लिए अधिकारियों को निर्देश दे दिया गया है। पट्टों के सवाल पर उन्होंने कहा कि किसी को मुफ्त पट्टे की योजना नहीं है। विगत सरकार में पट्टों के नाम पर गलत लोगों को फायदा पहुंचाया गया था। गलत नियम बनाकर दूसरे को फायदा दिया गया। जरूरतमंदों को कोई फायदा नहीं मिला। मंदिर माफी की जमीन को लेकर उन्होंने कहा कि मंदिर माफी की जमीन को लेकर कानूनी वजह से बेचान किया गया था, लेकिन अब नहीं। अब कोई शिकायत आती है तो कार्रवाई की जायेगी।

सनातन संस्कृति की धड़कन है संस्कृत : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने संस्कृत को सनातन संस्कृति की धड़कन और मानव सभ्यता की नींव बताते हुए कहा है कि यह संपूर्ण विश्व की उत्कृष्ट भाषा एवं भारतीय और यूरोपीय भाषाओं के साथ ही विश्व की अनेक भाषाओं की जननी भी है। देवनानी शनिवार को यहां मानसरोवर स्थित परिष्कार कॉलेज में संस्कृत भारती द्वारा आयोजित भविष्याय संस्कृतम विषय पर आयोजित संभाषण शिविर के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान विधानसभा में नवनिर्वाचित इक्कीस विधायकों ने संस्कृत भाषा में शपथ ली थी जो हम सभी के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि संस्कृत में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन अभिनव प्रयास है। इससे युवा पीढ़ी का जुड़ाव संस्कृत के प्रति बढ़ रहा है। यह जुड़ाव ही भविष्य के लिए संस्कृत का परिचायक है। देव भाषा और विज्ञान की भाषा के साथ संस्कृत जनवाणी है। देवनानी ने कहा कि संस्कृत में ज्ञान के भंडार हैं। ऋषि मुनियों द्वारा आरंभ की गई यह देव भाषा, विज्ञान की भाषा के साथ जनवाणी है। वेद, उपनिषद, रामायण, महाभारत और गीता जैसे ग्रंथों ने संस्कृत भाषा को घर-घर पहुंचाकर जनवाणी बनाया है। जर्मन के वैज्ञानिक संस्कृत के ग्रंथों का अध्ययन कर अनुसंधान और आविष्कार कर रहे हैं। विज्ञान की दृष्टि से कंप्यूटर के लिए संस्कृत भाषा को उत्कृष्ट माना गया है। तकनीकी में इसकी उपयोग के लिए नासा द्वारा अनुसंधान किया जा रहे हैं।

राहुल गांधी विध्वंस की राजनीति करना चाहते हैं : खर्रा

अलवर/दक्षिण भारत । राजस्थान के नगरीय विकास एवं स्वास्थ्य शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कांग्रेस के नेता राहुल गांधी के बयान की कड़ी निंदा करते हुए कहा है कि गांधी देश में विध्वंस की राजनीति करना चाहते हैं, लेकिन वह सफल नहीं होंगे। खर्रा ने राजस्थान में अलवर में शनिवार को पत्रकारों से कहा कि गांधी ने दो दिन पहले कहा था कि संविधान की रक्षा करना उनका दायित्व नहीं है। वह युवाओं को उकसाकर श्रीलंका, पाकिस्तान, बंगलादेश और नेपाल जैसी स्थिति भारत में पैदा करवाना चाहते हैं।

वह भारत में विध्वंस की राजनीति करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि इस संबंध में उनके बयानों को गंभीरता से लिया जा रहा है और कानून के अनुसार जो भी होगा किया जायेगा। झालावाड़ में स्कूल भवन गिरने की घटना के सवाल पर उन्होंने कहा कि अगर आम व्यक्ति चाहे तो ऐसी दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं हो सकती। हर विद्यालय में विकास और प्रबंध समिति बनी होती है, जिसमें ग्रामीणों की सहभागिता होती है। इसकी हर महीने बैठक होनी चाहिए। हर समिति उन भवनों का हर वर्ष निरीक्षण भी करे तो क्षतिग्रस्त भवनों का पता तभी चल जाता। उनकी समय पर मरम्मत हो जाये, तो झालावाड़ जैसी घटनाओं से बचा जा सकता है।

उच्च सुरक्षा वाली जेल से दो कैदी दीवार फांदकर फरार

जयपुर। जयपुर की उच्च सुरक्षा वाली जेल से दो कैदी शनिवार सुबह रबर पाइप की मदद से 27 फुट ऊंची दीवार और करंट वाले तार को फांदकर फरार हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि दोनों चोरी के आरोप में सजा काट रहे थे जिनकी पहचान नवल किशोर महावर और अनस कुमार के रूप में हुई है। सहायक पुलिस आयुक्त नारायण कुमार ने बताया कि कैदियों ने कड़ी सुरक्षा वाली दीवार पर चढ़ने के लिए रबर पाइप का इस्तेमाल किया और इसके बाद वे करंट वाले तार को फांदकर फरार हो गए। रबर पाइप को आमतौर पर कड़ी सुरक्षा में रखा जाता है।

प्रदर्शन आधारित परीक्षा का सफल आयोजन, 152 अधिकारियों ने दी परीक्षा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान लेखा सेवा परिषद, जयपुर ने पारंपरिक वरिष्ठता-आधारित प्रणाली से आगे बढ़ते हुए शनिवार को एक अभिनव पहल की शुरुआत की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि वैभव गलरिया, प्रमुख शासन सचिव, वित्त विभाग ने संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी कानून, नियम या प्रावधान की व्याख्या करते समय हमें सरकार के बड़े उद्देश्य और जनकल्याण को प्राथमिकता में रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि जैसे सुप्रीम कोर्ट भी संविधान और कानून का इंटरप्रिटेशन करता है, वैसे ही हमें अपने स्तर पर नियमों की व्याख्या आमजन को त्वरित राहत दिलाने और योजनाओं को धरातल पर शीघ्र लागू करने की सोच के साथ करनी चाहिए।

प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि सेवा का नाम बदलने के बिंदु पर विभाग द्वारा विचार किया जाएगा। उन्होंने इस अवसर पर आयोजन के लिए साधुवाद दिया और विजेताओं को हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

परिषद अध्यक्ष ललित वर्मा ने कहा कि अब समय की आवश्यकता है कि अधिकारियों को उनके प्रदर्शन के आधार पर प्रोत्साहित किया जाए। इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए परिषद द्वारा राजस्थान लेखा सेवा अधिकारियों के लिए मंथन-2025 विशेष प्रतियोगी परीक्षा आयोजित की गई। यह परीक्षा आरटीपीपी अधिनियम, 2012 एवं नियम, 2013 पर आधारित थी। कार्यक्रम का आयोजन एचसीएम रीपा, जयपुर में किया गया। परीक्षा में 152 अधिकारियों ने सम्पूर्ण राजस्थान से भाग लिया, जो क्षमता निर्माण, ज्ञान वृद्धि और योग्यता आधारित मान्यता के प्रति विभाग की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस पहल का उद्देश्य ज्ञान-आधारित प्रदर्शन को सीधे प्रोत्साहन और मान्यता से जोड़ना है। इस प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ तीन प्रदर्शनकर्ताओं को अंतरराष्ट्रीय अध्ययन-अवसर (दुबई) प्रदान किया जाएगा।

कांग्रेसियों को उनके वर्तमान नेता से मिले भाषा के संस्कार : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा है कि कांग्रेसी नेता जिस तरह की भाषा का प्रयोग करते हैं, उनको यह संस्कार वर्तमान में जो उनके नेता हैं, उनसे मिले हैं। शेखावत ने शनिवार को यहां अपने आवास पर जनसुनवाई के बाद मीडिया से बातचीत में जोधपुर कांग्रेस जिला अध्यक्ष की राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर टिप्पणी से संबंधित सवाल पर यह बात कही। उन्होंने कहा कि बाबा साहब अंबेडकर ने संविधान में इस तरह की भाषा को मान्यता नहीं दी। उन्होंने लोकतंत्र में शुचिता और पवित्रता बनी रहे, ये बात कही। महात्मा गांधी, जिनके आदर्शों पर भारत के लोकतंत्र की नींव रखी गई, उन्होंने जीवन में संयम और वाणी में संयम की बात कही।

मानसून की विदाई के बीच भारी बारिश

जयपुर/दक्षिण भारत । राजस्थान में मानसून की विदाई के बीच राज्य के कई जिलों में भारी बारिश हुई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शनिवार को यह जानकारी दी। बृहस्पतिवार से शुरू हुई बारिश शुक्रवार देर शाम तक जारी रही और उदयपुर, कोटा, भरतपुर और जयपुर संभाग के कई जिलों में बारिश दर्ज की गई।

मौसम विभाग ने सप्ताहांत में आठ जिलों के लिए अलर्ट जारी किया है। आईएमडी के अनुसार शनिवार सुबह साढ़े आठ बजे तक पिछले 24 घंटे की अवधि में भीलवाड़ा के बिजोलिया में 100 मिलीमीटर, बूंदी के नैनवा में 86 मिलीमीटर, सवाई माधोपुर के चौथ का बरवाड़ा में 50 मिलीमीटर, मांडलगढ़ में 52 मिलीमीटर, फुलिया कलां में 51 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। आईएमडी ने कहा कि सप्ताहांत में बूंदाबारी जारी रहने की संभावना है।

भू-माफिया 300 से अधिक प्राथमिकी के बावजूद गिरफ्तारी से बच रहा, छापेमारी के बाद फिर से न्याय की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। व्यवसायी ज्ञानचंद अग्रवाल और उसके सहयोगियों पर हाल में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी के बाद, संपत्ति की कथित धोखाधड़ी के पीड़ितों ने फिर से न्याय की मांग करते हुए कहा कि एक साल से भी अधिक समय पहले अदालती हस्तक्षेप के जरिये दर्ज किये गए उनके मामलों में अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। जमीन धोखाधड़ी के सिलसिले में अग्रवाल के खिलाफ 300 से अधिक प्राथमिकी दर्ज हैं। ईडी ने अग्रवाल और उनके सहयोगियों से जुड़े बड़े पैमाने पर जमीन धोखाधड़ी के मामलों में तीन और चार सितंबर को जयपुर में कई जगहों पर तलाशी अभियान चलाया। ये छापेमारी राजस्थान पुलिस द्वारा दर्ज कई प्राथमिकियों पर आधारित थीं। इन प्राथमिकियों में अग्रवाल पर जाली दस्तावेज तैयार करने और एक ही भूखंड कई खरीदारों को बेचकर निवेशकों से 150 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी करने का आरोप लगाया गया था।

शिकायतकर्ताओं में से एक, मनोज कुमावत ने कहा कि उन्होंने 2016 में अग्रवाल से भूखंड खरीदे थे, लेकिन बाद में पता चला कि रजिस्ट्री किसी और के नाम पर कर दी गई थी। उन्होंने आरोप लगाया, मैंने पुलिस को सूचित किया था कि कुछ लोग मेरी जमीन पर अतिक्रमण करके चहारदीवारी बना सकते हैं। महीनों तक कोई कार्रवाई नहीं हुई और इसी बीच चहारदीवारी खड़ी कर दी गई। बाद में पुलिस कहती रही कि वे रिपोर्ट तैयार कर रहे हैं, लेकिन किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया गया। मुझे फोन पर भी बार-बार धमकियां मिल रही हैं। यह एक गिरोह है।

एक अन्य पीड़ित, हनुमान चौधरी ने बताया कि उन्होंने 2006 में जमीन खरीदी थी, लेकिन बाद में उसकी रजिस्ट्री किसी और के नाम कर दी गई। धन्नालाल चौधरी ने आरोप लगाया कि उन्हें भी धमकियां दी गईं। उन्होंने कहा, अगर मेरे नाम पर कोई जाली दस्तावेज हैं, तो मुझे जेल भेज दीजिए।

एक साल से मामला बिना सुनवाई के लंबित है। अगर मुझे कुछ हुआ, तो ये लोग जिम्मेदार होंगे। यहां तक कि सरकार भी जवाबदेह होगी। एक अन्य पीड़ित, रामावतार महर्षि ने भी इसी तरह की चिंताएं जताईं।ईडी के अधिकारियों ने बताया कि तब से राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली के कई निवेशक एजेंसी से संपर्क कर रहे हैं और अपनी बकाया राशि की वसूली समेत कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

एक ईडी अधिकारी ने कहा, हमें निवेशकों के कॉल आए हैं। कुछ तो हमारे कार्यालय भी आए। निवेशकों ने बताया कि कैसे अग्रवाल और उनके सहयोगियों ने उन्हें लुभावने सौदों का झांसा देकर ठगा। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (विशेष अभियान समूह और आतंकवाद रोधी दस्ता) वी. के. सिंह ने कहा कि जमीन धोखाधड़ी के मामलों की जांच अब भी विशेष अभियान समूह के पास है। उन्होंने कहा, एसओजी (विशेष अभियान समूह) लोगों के साथ धोखाधड़ी में शामिल आरोपियों पर शिकंजा कसेगी। अग्रवाल को एसओजी ने 2009 में गिरफ्तार किया था। जयपुर दक्षिण के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) राजर्षि राज वर्मा ने कहा कि जमीन धोखाधड़ी के सिलसिले में अग्रवाल के खिलाफ 300 से अधिक प्राथमिकी दर्ज हैं। उन्होंने कहा, इनकी जांच चल रही है।

समय-समय पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया है। प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई के अलावा इन मामलों में भी कार्रवाई की जाएगी। नारायण समूह के मालिक अग्रवाल के पास कई कंपनियों और एलएलपी (सीमित दायित्व साझेदारी) के माध्यम से हासिल की गई काफी जमीन है। अग्रवाल पर निवेशकों के साथ धोखाधड़ी, भूमि की बिक्री में धोखाधड़ी और जमीन का अतिक्रमण समेत कई आरोपों के तहत मामले दर्ज हैं।

पाली जिले के सुमेरपुर ब्लॉक की वन भूमि पर लगाए 12 हजार पौधे

जयपुर। देशभर में चलाए जा रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पाली जिले के सुमेरपुर ब्लॉक की वन भूमि पर 12 हज़ार पौधे लगाए गए हैं। इसकी पालना में पशुपालन, गोपालन, डेयरी तथा देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत के निर्देशानुसार वन विभाग ने दुजाना व सांडेराव सहित वन भूमि पर ये पोधारोपण किया। मंत्री कुमावत ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में प्रदेश में पोधारोपण किया जा रहा है। ग्राम सेवा शिविरों के दौरान भी हर शिविर में 75 पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए वन विभाग पूरी सक्रियता से काम कर रहा है।

उन्होंने बताया कि इसी के तहत सुमेरपुर पंचायत समिति की सभी 30 ग्राम पंचायतों में शिविर के दौरान पौधे लगाए जाएँगे। अब तक जवाई बाँध, पोमावा, कोलीवाड़ा, गलथनी, बलाना, गोगरा, पावा व खिवंदी ग्राम पंचायत में आयोजित शिविरों में पोधारोपण किया गया है। इसके तहत खेजड़ी, बेर, जामुन, नीम व अमलतास के पौधे लगाए गए हैं । उन्होंने बताया कि सभी विभागों के अधिकारियों को अधिकाधिक पौधे लगाने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही अधिकारियों को गोचर भूमि एवं सरकारी भूमि पर नमो पार्क विकसित के लिए भूमि तलाशने के निर्देश दिए गए हैं । भूमि चिन्हित कर प्रस्ताव राज्य सरकार को भेजने के लिए भी कहा गया है।

अच्छी पुस्तक हमारी योग्य मार्गदर्शक और जीवन का पथ प्रदर्शक होती है : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि अच्छी पुस्तक योग्य मार्गदर्शक बनकर सदैव हमारे जीवन का पथप्रदर्शक होती है और जीवन को आगे बढ़ाती है।

मुख्यमंत्री ने लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित चौथे गोमती पुस्तक मेले के उद्घाटन के अवसर पर यह बात कही और उन्होंने बच्चों से आत्मीय संवाद भी किया। उन्होंने स्कूली छात्राओं और आंगनबाड़ी दीदीयों को पुस्तकें भेंट की। उन्होंने कहा, अच्छी पुस्तक योग्य मार्गदर्शक बनकर सदैव हमारे जीवन का पथप्रदर्शक होती है और जीवन को आगे बढ़ाती है।

मुख्यमंत्री ने कहा, अगले नौ दिन तक लखनऊ विश्वविद्यालय में पुस्तक मेला चलेगा और यहां आने वाले पाठक ज्ञान व साहित्य के महाकुंभ का अनुभव कर सकेंगे। उन्होंने बच्चों और युवाओं से स्मार्टफोन पर समय कम बिताकर कम से कम एक घंटा रचनात्मक और ज्ञानवर्धक पुस्तकों को पढ़ने की अपील की। मुख्यमंत्री ने भारतीय मनीषियों और ऋषियों का उदाहरण देते हुए कहा, हमारे यहां याज्ञवल्क्य जैसे ऋषियों ने समाज को ज्ञान का मार्ग दिखाया। उन्होंने याज्ञवल्क्य ऋषि और उनकी

पत्नियों कात्यायिनी व मैत्रेयी का प्रसंग सुनाते हुए बताया कि ज्ञान की खोज जीवन का सर्वोच्च लक्ष्य होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय पुस्तक न्यास की सराहना करते हुए कहा कि इसने लगातार गोमती बुक फेस्टिवल की परंपरा को आगे बढ़ाया है। इस वर्ष के मेले में ढाई सौ से अधिक स्टॉल हैं, जिनमें बाल रचनाकारों से लेकर प्रख्यात लेखकों की पुस्तकें विभिन्न भाषाओं में प्रदर्शित और बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। मुख्यमंत्री ने बच्चों को 'एग्जाम वॉरियर्स' पुस्तक भेंट की, जिसे प्रधानमंत्री द्वारा लिखा गया है। उन्होंने कहा कि यदि बच्चे इस पुस्तक के सभी बिंदुओं का अध्ययन करें तो किसी भी परीक्षा या प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त करना आसान हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने भारतीय ज्ञान परंपरा का उल्लेख करते हुए तक्षशिला विश्वविद्यालय, पाणिनी, सुश्रुत और ब्रह्मवेत्ताओं की उपलब्धियों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि तक्षशिला का नाम भगवान राम के भाई भरत के पुत्र तक्ष के नाम पर रखा गया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि पढ़ना और आगे बढ़ना भारत की परंपरा रही है और प्रधानमंत्री के विचार 'वेन सिटिजन रीड्स, कंट्री लीड्स' इसी संदेश का हिस्सा हैं। मुख्यमंत्री ने महर्षि वाल्मीकि और तुलसीदास जी की मौलिक रचनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि मौलिक रचनाएं न केवल अमर होती हैं, बल्कि रचयिता को भी अमर बना देती हैं। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे अपनी पढ़ाई के साथ-साथ अच्छी पुस्तकों का अध्ययन अवश्य करें। उन्होंने स्वस्थ नारी, सशक्त समाज के संदेश को भी दोहराया और कहा कि यदि महिलाएं स्वस्थ होंगी तो समाज और राष्ट्र सशक्त होंगे। योगी लखनऊ के सभी स्कूलों के बच्चों से अपील की कि वे इस पुस्तक मेले में आएं और हर छात्र कम से कम एक पुस्तक जरूर खरीदें।

झारखंड में कुड़मी समाज के आंदोलन के कारण रेल सेवाएं आंशिक रूप से प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड में कुड़मी समाज ने अपने समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने और कुड़माली भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर शनिवार सुबह विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर 'रेल रोको' आंदोलन शुरू कर दिया जिससे रेल सेवाएं आंशिक रूप से प्रभावित हुई हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। प्रशासन ने निषेधाज्ञा लागू की है, इसके बावजूद यह आंदोलन किया जा रहा है।

'आदिवासी कुड़मी समाज' (एकेएस) के बैनर तले प्रदर्शनकारी रांची के राय स्टेशन, गिरिडीह के पारसनाथ और बोकारो जिले के चंद्रपुरा स्टेशन पर रेल पटरियों पर बैठे देखे गए। रेलवे द्वारा जारी बयान के अनुसार, आदिवासी कुड़मी समाज के आंदोलन के कारण दक्षिण पूर्व रेलवे और पूर्व मध्य रेलवे के धनबाद मंडल में रेल सेवाएं आंशिक रूप से प्रभावित हुई हैं। इसमें कहा गया, हटिया-बर्धमान मेमू और टाटानगर-गुआ-टाटानगर मेमू समेत कम से कम तीन ट्रेन रद्द कर दी गई हैं, एक की गंतव्य से पहले ही यात्रा समाप्त कर दी गई है और चार रेल सेवाओं को अलग-अलग स्टेशनों पर रोका गया है। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षाकर्मी प्रदर्शनकारियों को शांत कराने और रेलवे पटरी खाली कराने की कोशिश कर रहे हैं। ऑल झारखण्ड स्टूडेंट्स यूनियन (आजसू) समेत कई राजनीतिक दलों ने कुड़मियों के प्रदर्शन को अपना समर्थन दिया है। आंदोलन के मद्देनजर रांची प्रशासन ने जिले के विभिन्न स्टेशनों के 300 मीटर के दायरे में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी है।

बिहार में भ्रष्टाचार चरम पर : प्रशांत भूषण

पटना/भाषा। उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने शनिवार को आरोप लगाया कि बिहार की नीतीश कुमार सरकार में ''भ्रष्टाचार चरम पर'' है। उन्होंने राज्य सरकार पर आरोप लगाया कि भागलपुर में प्रस्तावित विद्युत परियोजना के लिए एक बड़े औद्योगिक घराने को 1,000 एकड़ जमीन 30 सालों के लिए महज एक रुपए वार्षिक किराये पर पट्टे पर दे दी गई है।

भूषण ने यहां प्रेसवार्ता में भागलपुर में लगने वाली एक बिजली परियोजना का ज़िक्र करते हुए कहा कि एक व्यावसायिक समूह ने कथित तौर पर केवल एक रुपए प्रति वर्ष की दर पर 30 साल का पट्टा हासिल किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य की राजग सरकार एक ऐसे सौदे की सहमति दे दी है जिससे राज्य के खजाने को ''लगभग 5,000 करोड़ रुपए का वार्षिक नुकसान होगा। उन्होंने ठेका देने में ''बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार'' का संदेह जताया। उन्होंने भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया में ''पारदर्शिता और निष्पक्षता'' की जरूरत बताते हुए सुझाव दिया कि प्रभावित लोगों को पर्याप्त मुआवजा दिलाने के लिए एक आयोग का गठन किया जाना चाहिए। इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस ने इसी हफ्ते यहां मार्च निकाला था, लेकिन राज्य के उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा ने किसी भी तरह की अनियमितता से इनकार किया है। मंत्री ने दावा किया कि चार बोलीदाताओं में से कंपनी ने उपभोक्ताओं को सबसे कम दर पर बिजली देने का वादा किया था, इसलिए उसे अनुबंध दिया गया। भ्रष्टाचार के खिलाफ अपने अभियानों के लिए चर्चित भूषण ने राज्य में चल रहे विशेष पुनरीक्षण अभियान में भी गड़बड़ियों का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, मैंने आज एक संगोष्ठी को संबोधित किया, जहां एक स्थानीय शिक्षाविद ने बताया कि शेखपुरा जिले के एक विधानसभा क्षेत्र में नौ मुस्लिम मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से गलत तरीके से हटा दिए गए हैं। उनके नाम न तो मसौदा मतदाता सूची में हैं और न ही ऐसे उन 65 लाख मतदाताओं की सूची में, जिन्हें मृत, अनुपस्थित और अन्य पलायन कर चुके मतदाता घोषित किया गया है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बिहार के गयाजी स्थित विष्णुपद मंदिर में पिंड दान किया

गयाजी (बिहार)/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने पूर्वजों की आत्मा की मुक्ति के लिए बिहार के गयाजी स्थित विष्णुपद मंदिर में पिंड दान किया। विष्णुपद मंदिर ट्रस्ट के कार्यकारी अध्यक्ष शंभू लाल विट्ठल ने बताया कि राष्ट्रपति ने पूजा स्थल पर पिंडदान और जल तर्पण किया।

पत्रकारों से बात करते हुए विट्ठल ने कहा, राष्ट्रपति ने अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति और मोक्ष के लिए फल्गु नदी के तट पर और विष्णुपद मंदिर में पिंड दान और जल तर्पण किया। ऐसा माना जाता है कि पिंड दान करने से पूर्वजों की आत्मा को शांति और मोक्ष प्राप्त होता है। हर साल पितृ पक्ष के दौरान बड़ी संख्या में हिंदू श्रद्धालु अनुष्ठान करने के लिए विष्णुपद मंदिर आते हैं।

इससे पहले गयाजी हवाई अड्डे पर राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी और राज्य मंत्री प्रेम कुमार ने राष्ट्रपति का स्वागत किया। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति की गयाजी यात्रा के लिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे।

असम सरकार गायक जुबिन गर्ग की मौत के मामले की जांच कराएगी : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि प्रदेश सरकार गायक जुबिन गर्ग की मौत के मामले की जांच कराएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने पुलिस महानिदेशक हरमीत सिंह को गर्ग की मौत के मामले में राज्य भर में दर्ज कई प्राथमिकियों को आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) को स्थानांतरित करने और गहन जांच के लिए एक समेकित मामला दर्ज करने का निर्देश दिया है।

शर्मा ने कहा कि उन्होंने भारत में सिंगापुर के उच्चायुक्त साइमन वोंग से भी बात की है और गायक की मौत की परिस्थितियों की विस्तृत जांच का अनुरोध किया है। पहली प्राथमिकी 'नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल' के आयोजक श्यामकानु महंत और गायक के प्रबंधक सिद्धार्थ शर्मा के खिलाफ मोरीगांव थाने में दर्ज की गई और इसमें आरोप लगाया गया कि वे (आरोपी) 'एक साजिश के तहत जुबीन को गाने के बहाने विदेश ले गए लेकिन उनका मकसद उसे मारना था। उन्होंने बताया कि तब से, राज्य भर में कई प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी हैं। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, हमारे प्रिय ज़ुबीन गर्ग के दुर्भाग्यपूर्ण और असामयिक निधन के संबंध में श्यामकानु महंत और सिद्धार्थ शर्मा के खिलाफ कई प्राथमिकी दर्ज की गई हैं।

मैंने पुलिस महानिदेशक को सभी प्राथमिकियों सीआईडी को सौंपने और गहन जांच के लिए एक समेकित मामला दर्ज करने का निर्देश दिया है। शर्मा ने कहा, असम पुलिस जुबीन गर्ग की मौत की जांच करेगी और महंत व शर्मा दोनों के साथ-साथ गायक के अंतिम क्षणों में उनके साथ मौजूद लोगों से भी पूछताछ की जाएगी। उन्होंने कहा, ऐसी खबरें हैं कि गर्ग को घटना से एक रात पहले एक पार्टी में ले जाया गया था और हम इसकी सत्यता का पता लगाने की भी कोशिश कर रहे हैं। गर्ग का शुक्रवार को सिंगापुर में समुद्र में डूबने से निधन हो गया था और घटना के समय उन्होंने लाइफ जैकेट नहीं पहनी थी। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक अन्य पोस्ट में कहा, मैंने सिंगापुर के उच्चायुक्त साइमन वोंग से बात की और हमारे प्रिय जुबीन गर्ग के असामयिक निधन के कारणों की विस्तृत जांच का अनुरोध किया। उन्होंने मुझे इस संबंध में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया है। सिंगापुर के अधिकारियों ने भी अपनी जांच शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री ने कहा, चूंकि घटनास्थल भारत नहीं था, इसलिए अगर कोई आपराधिक पहलू है तो हम उस देश से जानकारी लेंगे और अगर उन्हें गलत इरादे से असम से ले जाया गया था, तो हम इस पहलू की जांच करेंगे। उन्होंने कहा, राज्य सरकार गर्ग की मौत से जुड़े सभी पहलुओं की निष्पक्ष जांच करेगी और अगर किसी के पास कोई जानकारी है या वह गवाह बनना चाहता है, तो उसके लिए सभी व्यवस्थाएं की जाएंगी।

स्मृति मंधाना ने महिला क्रिकेट में दूसरा सबसे तेज वनडे शतक जड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना शनिवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में महज 50 गेंद में शतक जड़कर महिला वनडे क्रिकेट में सबसे तेज शतक लगाने वाली दूसरी खिलाड़ी बन गईं।

मंधाना ने पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज करेन रोल्टन के 2000-01 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बनाए गए 57 गेंद में बनाए गए रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान मेग लैनिंग 2012-13 सत्र में न्यूजीलैंड के खिलाफ 45 गेंद में शतक बनाया जिससे वह सबसे तेज शतक बनाने वाली खिलाड़ियों की सूची में शीर्ष पर हैं। मंधाना ने 50 गेंद की शतकीय पारी में 14 चौके और चार छक्के जड़े थे और यह किसी भी भारतीय बल्लेबाज द्वारा बनाया गया सबसे तेज शतक भी है। इस तरह बाएं हाथ की 29 साल की बल्लेबाज ने अपना ही 70 गेंद में शतक बनाने का पिछला रिकॉर्ड तोड़ दिया।

मंधाना एक ही साल में चार वनडे शतक बनाने वाली पहली महिला बल्लेबाज भी हैं और उन्होंने यह उपलब्धि 2024 में हासिल की थी। दक्षिण अफ्रीका की ताजमिन ब्रिट्स यह उपलब्धि हासिल करने वाली दूसरी बल्लेबाज हैं।

ऑस्ट्रेलिया की टैमी ब्यूमोंट के बाद वह महिला वनडे में लगातार दो शतक बनाने वाली दूसरी बल्लेबाज भी बन गई हैं। न्यूजीलैंड की एमी सैटर्थवेट ने 2016-2017 में लगातार चार शतक लगाकर महिला वनडे में सबसे ज्यादा लगातार शतक लगाने का रिकॉर्ड बनाया था।

'निर्वाचन आयोग बिहार वाली गलती दोहराएगा तो राहुल बंगाल में आंदोलन का नेतृत्व करेंगे'

कोलकाता/भाषा। कांग्रेस नेता प्रसेनजीत बोस ने कहा कि अगर निर्वाचन आयोग चुनाव प्रक्रिया के दौरान बिहार में की गई गलतियों को दोहराता है तो राहुल गांधी अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) विरोधी आंदोलन का नेतृत्व करेंगे।

हाल में पार्टी में शामिल हुए अर्थशास्त्री और सामाजिक कार्यकर्ता बोस ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण होने पर, संभवतः आगामी त्योहारी सीजन के बाद, भाजपा के खिलाफ विपक्षी दलों का राजनीतिक पुनर्गठन होगा।

बोस (51) ने एक साक्षात्कार में 'पीटीआई-भाषा' को बताया, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी बिहार में एसआईआर विरोधी आंदोलन में अग्रणी हैं और इस पक्षपातपूर्ण गतिविधि का उनके द्वारा किया गया खुलासा न केवल कांग्रेस को महत्वपूर्ण राजनीतिक समर्थन प्रदान करेगा, बल्कि समूचे 'इंडिया' गठबंधन के कार्यकर्ताओं को भी उत्साहित करेगा।

मोदी-मोदी के नारे लगवाना विदेश नीति नहीं, राष्ट्रीय हित सर्वोपरि होना चाहिए : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अमेरिका द्वारा एच-1बी वीजा पर एक लाख डॉलर (88 लाख रुपए) का शुल्क लगाए जाने के बाद शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि ''गले लगना और मोदी-मोदी के नारे लगवाना'' विदेश नीति नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि विदेश नीति में राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखना चाहिए तथा किसी से मित्रता को विवेक एवं संतुलन के साथ आगे बढ़ाना चाहिए।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 'कुछ गैर आप्रवासी कामगारों के प्रवेश पर रोक' संबंधी सरकारी आदेश पर शुक्रवार को हस्ताक्षर किए। इस फैसले के तहत उन कामगारों के अमेरिका में प्रवेश पर रोक लगाई जाएगी, जिनके एच1बी आवेदन के साथ एक लाख अमेरिकी डॉलर का भुगतान नहीं किया गया होगा। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, नरेन्द्र मोदी जी, आपके जन्मदिन पर फोन कॉल के बाद आपको जो जवाबी तोहफा मिला है उससे भारतीय नागरिकों को दुख होता है। यह आपकी ''अबकी बार, ट्रंप सरकार'' की ओर से जन्मदिन का जवाबी तोहफा है। उन्होंने दावा किया कि एच -1बी वीजा पर एक लाख डॉलर का वार्षिक शुल्क भारतीय तकनीकी कर्मचारियों को सबसे अधिक प्रभावित करने वाला है क्योंकि, एच-1बी वीजा धारकों में से 70 प्रतिशत भारतीय हैं।

मध्यप्रदेश के पन्ना में मजदूर महिला की चमकी किस्मत, एक सप्ताह में मिले 8 हीरे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पन्ना (मध्यप्रदेश)/भाषा। मध्यप्रदेश के पन्ना में मजदूरी करने वाली एक महिला को एक सप्ताह के भीतर लाखों रुपए मूल्य के आठ बेशकीमती हीरे मिले हैं। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बड़गड़ी गांव की निवासी रचना गोलदार को मिले आठ हीरो का कुल वजन 2.53 कैरेट है और इनमें छह उच्च गुणवत्ता वाले हैं।

हीरा पारखी अनुपम सिंह ने बताया कि इन आठ हीरों में से छह नग जेम्स क्वालिटी के हैं। सबसे बड़े हीरे का वजन 0.79 कैरेट है। इसके अलावा, दो हीरे का रंग धूमिल है। सिंह ने बताया कि इन सभी हीरों को महिला ने हीरा कार्यालय में जमा कर दिया है और इन्हें आगामी नीलामी में रखा जाएगा। उन्होंने इन हीरो की कीमत लाखों रुपए में होने का अनुमान जताया। गोलदार ने खदान क्षेत्र हजारा मुद्दा में पट्टा लिया था और खुदाई के दौरान उसे यह हीरे मिले हैं। पन्ना में खदान तो कई लोगों के पास है पर हीरा हर किसी के हाथ नहीं लगता। कुछ लोग तो कई साल से खदान का पट्टा लेकर हीरा खोज रहे हैं, लेकिन अभी तक उन्हें नहीं मिला।

बाहरी शोर को बंद करना आसान नहीं, लेकिन महत्वपूर्ण बातें सुनना भी जरूरी : सूर्यकुमार यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तान के खिलाफ रविवार को होने वाले एशिया कप सुपर 4 के महत्वपूर्ण मैच से पहले कहा कि दोनों टीम के बीच संबंधों को लेकर बाहर हो रही बातों को पूरी तरह से नजरअंदाज करना मुश्किल है लेकिन उन्होंने इसके साथ ही स्पष्ट किया कि इनमें से कुछ बातें महत्वपूर्ण भी हो सकती हैं।

पिछले रविवार को इसी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ नाबाद 47 रन बनाकर टीम को जीत दिलाने वाले भारतीय कप्तान ने न तो टॉस के समय विपक्षी कप्तान सलमान अली आगा से हाथ मिलाया और न ही उस दिन छक्का लगाकर मैच समाप्त करने के बाद खेल के अंत में उनसे हाथ मिलाया। पहलगाम हमले के पीड़ितों के साथ एकजुटता दिखाने और जीत को भारतीय सशस्त्र बलों को समर्पित करने के उनके कदम से सुपर 4 मुकाबले से पहले तनाव बढ़ गया। तो फिर बाहरी शोर को बंद करने का तरीका क्या है? इस सवाल के जवाब में सूर्यकुमार ने कहा, अपना कमरा बंद करो, अपना फोन बंद करो और सो जाओ। मुझे लगता है कि यह सबसे अच्छी बात है। यह कहना आसान है, लेकिन कभी-

कभी यह मुश्किल होता है क्योंकि आप बहुत सारे दोस्तों से मिलते हैं। आप डिनर के लिए बाहर जाते हैं और आपके साथ बहुत सारे खिलाड़ी होते हैं जो ये सब चीजें देखना पसंद करते हैं, इसलिए यह बहुत मुश्किल है। भारतीय कप्तान हालांकि जानते हैं कि बाहरी शोर को पूरी तरह से बंद नहीं किया जा सकता है और अपने विवेक का उपयोग करके कुछ अच्छी चीजों को सुना जा सकता है। उन्होंने कहा, यह आप पर निर्भर करता है कि आप क्या सुनना चाहते हैं, आप अपने मन में क्या रखना चाहते हैं और आगे बढ़कर अभ्यास सत्र या खेल खेलना चाहते हैं। सूर्यकुमार ने कहा, मुझे लगता है कि अगर हम इस टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं और आगे बढ़ना चाहते हैं तो यह बहुत महत्वपूर्ण है, हमें बाहर से आने वाले शोर को बंद करना होगा और जो आपके लिए अच्छा है उसे ही आत्मसात करना होगा। उन्होंने कहा, मैं यह नहीं कह रहा हूं कि बाहर होने वाली बातों को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दीजिए। उनमें कुछ अच्छी और महत्वपूर्ण बात भी हो सकती है जिससे आपको खेल में और मैदान पर मदद मिल सकती है। मैच की तैयारी के बारे में उन्होंने कहा कि तीन मैचों के बाद टीम अच्छी स्थिति में है। भारतीय कप्तान ने कहा, मुझे लगता है कि टूर्नामेंट से पहले हमारी तैयारी वाकई अच्छी रही है और हमने तीन अच्छे मैच भी खेले हैं। इसलिए हम वास्तव में इस बात पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं कि हम क्या सर्वश्रेष्ठ कर सकते हैं।

पाकिस्तान के खिलाफ एक और प्रभावशाली जीत दर्ज करने उतरेगा भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। दोनों टीमों में बढ़ते तनाव के बीच भारत जब रविवार को यहां एशिया कप सुपर 4 के मैच में पाकिस्तान का सामना करेगा तो उसका लक्ष्य स्पिन तिकड़ी के दम पर अपने इस चिर प्रतिद्वंद्वी के के खिलाफ एक और प्रभावशाली जीत दर्ज करना होगा।

भारत और पाकिस्तान की टीम जब आमने-सामने होती हैं तो उनके खिलाड़ियों के बीच तनाव बना रहता है लेकिन इस बार यह नए स्तर पर पहुंच गया है। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव और उनके साथियों ने पाकिस्तान के खिलाफ पिछले मैच में पाकिस्तानी खिलाड़ियों के साथ हाथ मिलाने से इनकार कर दिया था जिससे नया बवाल पैदा हो गया।

ऐसा समझा जाता है कि भारतीय टीम इस रविवार को भी पड़ोसी देश के खिलाफ इसी नीति को जारी रखेगी तथा हाथ मिलाना भी संभवत: आम बात नहीं होगी, क्योंकि पाकिस्तानी खिलाड़ी और उनके समर्थक इस मैच को ''द्वेषपूर्ण मैच'' के रूप में देख रहे हैं। रविवार हमेशा सबसे आरामदायक दिन नहीं होता है और पिछले मैच में भारत को सात विकेट से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले सूर्यकुमार भी इस बात की पुष्टि करते हैं। इस टूर्नामेंट में सूर्यकुमार से सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज, एक रणनीतिक कप्तान और अपने देश के लिए एक राजदूत होने की उम्मीद की जा रही है। ओमान के खिलाफ कैच लेने के प्रयास में अक्षर पटेल के सिर में लगी चोट से वह और मुख्य कोच गौतम गंभीर थोड़े चिंतित होंगे लेकिन क्षेत्ररक्षण कोच टी दिलीप ने यह कहकर आशंकाओं को दूर कर दिया कि यह ऑलराउंडर ठीक है। पाकिस्तान के खिलाफ मैच से पहले सूर्यकुमार को टीम के सभी महत्वपूर्ण खिलाड़ियों को परखने की जरूरत थी। पूरी संभावना है कि में तेज गेंदबाज हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह अंतिम एकादश में शामिल नहीं होंगे।

सुविचार

जिस काम में काम करने की हद पार ना फिर वो काम किसी काम का नहीं।

ट्वीट

अखिल विश्व गायत्री परिवार के संस्थापक, युगऋषि परमपूज्य पं. श्रीराम शर्मा आचार्य जी की जयंती पर कोटि-कोटि नमन। भारतीय संस्कृति के पुनर्जागरण, सामाजिक उत्थान और आध्यात्मिक चेतना के प्रसार हेतु आपका जीवन अद्वितीय दीपस्तंभ रहा।

-ओम बिरला

कुशलबाग स्टेडियम में आयोजित शहरी सेवा शिविर का अवलोकन कर विभिन्न विभागों की स्टॉल का निरीक्षण किया व लाभार्थियों से संवाद कर उन्हें जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

-भजनलाल शर्मा

कहानी

ओढ़े हुए रिश्ते

महेन्द्र तिवारी
मोबाइल : 9989703240

नीरज जिसे उसकी अर्चना दीदी प्यार से उसे 'नीरू' बुलाती थीं, बचपन से ही शब्दों का जादूगर था। उसकी कलम से निकली रचनाएँ अक्सर पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित होती रहती थीं और हर प्रकाशन उसके छोटे से शहर में एक छोटी-सी हलचल पैदा कर देता था। वह सिर्फ़ लिखता ही नहीं था, बल्कि अपनी रचनाओं के माध्यम से एक अदृश्य दुनिया से जुड़ने की कोशिश करता था, जहाँ भावनाएँ और कल्पनाएँ स्वतंत्र रूप से उड़ान भरती थीं।

एक दिन 'प्रतियोगिता विकास' मासिक पत्रिका के पन्नों को पलटते हुए, उसकी नज़र एक निबंध प्रतियोगिता पर पड़ी। वह निबंध था अर्चना दीदी का। उसमें न केवल उनकी तस्वीर थी, बल्कि उनके विचार और एक छोटा-सा पता भी छपा था। अर्चना दीदी की आँखों में एक अजीब-सी चमक थी, और उनके शब्दों में एक गहरी समझ। नीरज को लगा, जैसे वह उन्हें पहले से जानता हो। उनके परिचय में एक ऐसी आत्मीयता थी, जिसने नीरज के मन को छू लिया।

बिना किसी हिचकिचाहट के, नीरज ने उसी पते पर एक पत्र लिखा। उसके शब्दों में एक मासूमियत थी, एक निश्छल जिज्ञासा। उसने लिखा, प्रिय अर्चना दीदी, मैंने आपकी निबंध पढ़ी है और आपके विचारों से बहुत प्रभावित हुआ हूँ। क्या आप मेरी बहन बनेंगी? यह एक अजीब-सा प्रस्ताव था, एक अपरिचित से किया गया निवेदन, लेकिन नीरज के मन में एक गहरी उम्मीद थी कि अर्चना दीदी उसके इस अनुरोध को स्वीकार कर लेंगी।

कुछ दिनों बाद, एक लिफाफा आया, जिस पर अर्चना दीदी का नाम और पता था। नीरज का दिल ज़ोरों से धड़क रहा था। उसने काँपते हाथों से पत्र खोला। पत्र में अर्चना दीदी ने लिखा था कि उन्होंने नीरज के प्रस्ताव को सहर्ष स्वीकार कर लिया है। उनके शब्दों में एक गर्मजोशी थी, एक स्नेहिल स्वीकृति। उन्होंने लिखा था कि उन्हें भी नीरज की रचनाएँ पसंद आई हैं और वे उसे अपना छोटा भाई मानकर खुशी महसूस करेंगी।

इस पत्र के साथ ही, नीरज और अर्चना दीदी के बीच एक अनूठा रिश्ता पनप उठा - पत्रों के माध्यम से जुड़ा एक भाई-बहन का रिश्ता। यह रिश्ता किसी खून के बंधन से नहीं, बल्कि भावनाओं के धागों से बुना गया था। वे एक-दूसरे को अपनी दिनचर्या, अपने सपने, अपनी खुशियाँ और अपने दुख साझा करते थे। नीरज उन्हें अपनी नई कविताओं और कहानियों के बारे में बताता, तो अर्चना दीदी उसे अपनी पढ़ाई और भविष्य की योजनाओं के बारे में बतातीं। उनके पत्र सिर्फ़ कागज़ के टुकड़े नहीं थे, बल्कि वे दो आत्माओं के बीच संवाद का माध्यम थे, जो एक-दूसरे को समझने और सहारा देने की कोशिश कर रहे थे।

अर्चना दीदी हर साल उसे रक्षाबंधन पर नियमित रूप से राखियां भी भेंजती थीं। वो राखी के अलावा वे सब चीजें भी भेजती थीं जो राखी बांधते वक्त जरूरी होता था। वैसे नीरज उस राखी को बांधता नहीं था क्योंकि उसके घर में रक्षाबंधन नहीं मनाया जाता था। उसका मुख्य कारण यह था कि नीरज के घर में कभी कोई अनहोनी हो गई थी। तब से राखी नहीं बंधना एक परंपरा सी हो गई थी। लेकिन राखी पाकर वह झूम जाया करता था वह। उसे राखी बंधवाने की बहुत इच्छा होती थी।

लगभग पांच साल तक यह सिलसिला चलता रहा। हर पत्र एक नई उम्मीद लेकर आता था, एक नई कहानी सुनाता था। नीरज के लिए अर्चना दीदी एक मार्गदर्शक थीं, एक विश्वासपात्र दोस्त थीं, और एक बड़ी बहन थीं, जो हमेशा उसके साथ खड़ी रहती थीं। जब नीरज किसी दुविधा में होता, तो अर्चना दीदी के पत्र उसे सही राह दिखाते। जब वह उदास होता, तो उनके शब्द उसे दिलासा देते। यह रिश्ता इतना गहरा हो गया था कि नीरज को कभी महसूस ही नहीं हुआ कि अर्चना दीदी उससे सैकड़ों मील दूर रहती हैं। वे एक-दूसरे की आवाज़ नहीं सुन सकते थे, एक-दूसरे को देख नहीं सकते थे, लेकिन उनके दिलों के तार जुड़े हुए थे।

समय अपनी गति से चलता रहा। नीरज की पढ़ाई पूरी हुई और उसने एयर फ़ोर्स में नौकरी के लिए आवेदन किया। यह उसके बचपन का सपना था - नीले आसमान में उड़ना, देश की सेवा करना। कड़ी मेहनत और लगन के बाद, नीरज को एयर फ़ोर्स में चयन हो गया। यह उसके जीवन का एक महत्वपूर्ण मोड़ था। उसने यह खुशखबरी सबसे पहले अर्चना दीदी को पत्र लिखकर दी। अर्चना दीदी ने उसे बधाई दी और उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

लेकिन एयर फ़ोर्स में नौकरी लगने के बाद, नीरज की ज़िंदगी में एक बड़ा बदलाव आया। प्रशिक्षण, नई जिम्मेदारियाँ, और एक अनुशासित जीवन शैली ने उसे व्यस्त कर दिया। अब उसे पत्र लिखने का उतना समय नहीं मिल पाता था, जितना पहले मिलता था। उसकी पत्रकारिता की गतिविधियाँ भी धीरे-धीरे कम होने लगीं। पहले जहाँ हर हफ़्ते एक पत्र आता था, अब महीनों लग जाते थे। अर्चना दीदी के पत्र भी कम होने लगे, शायद वे भी नीरज की व्यस्तता को समझती थीं। धीरे-धीरे, पत्रों का यह सिलसिला धीमा पड़ता गया, लेकिन रिश्ता कभी टूटा नहीं था, बस उसकी गति धीमी हो गई थी।

फिर एक दिन, नीरज को एक शादी का कार्ड मिला। कार्ड पर अर्चना दीदी का नाम था। उनकी शादी तय हो गई थी। नीरज का दिल खुशी से भर गया, लेकिन साथ ही एक अजीब-सी उदासी भी घेर गई। उसे लगा, जैसे उसकी बड़ी बहन उससे दूर जा रही हो। कार्ड में शादी का स्थान और समय लिखा था। उस समय नीरज आगरा में तैनात था। उसने जाने का मन बनाया, लेकिन फिर एक संकोच, एक अजीब-सी लज्जा उसे रोक गई। शायद वह अपनी भावनाओं को व्यक्त नहीं कर पा रहा था, या शायद उसे डर था कि इतने सालों बाद अचानक सामने आने पर कैसा लगेगा। उसने खुद को समझाया कि व्यस्तता के कारण वह नहीं जा पाएगा, लेकिन अंदर ही अंदर उसे इस बात का गहरा मलाल था। वह अपनी दीदी की शादी में शामिल नहीं हो सका, जिसने उसे बिना किसी शर्त के अपना भाई माना था।

शादी के बाद, अर्चना दीदी हरपालपुर से छतरपुर चली गईं। उनके पते में बदलाव हो गया और नीरज के पास उनका नया पता नहीं था। धीरे-धीरे, उनका संपर्क पूरी तरह से टूट गया। पत्र आने बंद हो गए, और नीरज के पास उनसे संपर्क करने का कोई माध्यम नहीं बचा। वह अक्सर उन्हें याद करता, उनके पुराने पत्रों को पढ़ता और सोचता कि अर्चना दीदी कैसी होंगी, क्या कर रही होंगी इत्यादि।

साल बीतते गए। नीरज ने अपनी ज़िंदगी में कई उतार-चढ़ाव देखे, लेकिन अर्चना दीदी की याद उसके दिल में हमेशा बनी रही। वह अक्सर अपनी पत्नी और बच्चों को अर्चना दीदी के बारे में बताता, उनके पत्रों के बारे में सुनाता। उसके बच्चे भी अर्चना दीदी के बारे में सुनकर उत्सुक होते थे। नीरज के मन में हमेशा एक कसक रहती थी कि वह अपनी दीदी से एक बार फिर मिल पाए। वह अपनी इस अधूरी इच्छा को पूरा करना चाहता था।

आज भी, नीरज अपनी अर्चना दीदी से एक बार मिलना चाहता है। मन ही मन वह कहता रहता कि दीदी आपकी याद बहुत आती है। वह जानता है कि यह मुश्किल है, क्योंकि उसके पास उनका कोई वर्तमान पता या फ़ोन नंबर नहीं है। उसने कई बार पुरानी पत्रिकाओं को खंगाला है, पुराने दोस्तों से संपर्क करने की कोशिश की है, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। वह सोचता है कि अगर वे कभी मिलें, तो क्या वे उसे पहचान पाएंगी? क्या उनका रिश्ता आज भी उतना ही मज़बूत होगा?

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

श्राद्ध पक्ष के निमित्त

पितरों के लिए श्रद्धा से किए गए मुक्ति कर्म को श्राद्ध कहते हैं। भाद्रपद शुक्ल पूर्णिमा से आश्विन कृष्ण अमावस्या तक श्राद्धपक्ष चलता है। इसका भावपक्ष अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता और कर्तव्य का निर्वहन है। व्यवहार पक्ष देखें तो पितरों को खीर, पूड़ी व मिष्ठान का भोग इसे तृप्तिपर्व का रूप देता है। जगत के रंगमंच के पार्श्व में जा चुकी आत्माओं की तृप्ति के लिए स्थूल के माध्यम से सूक्ष्म को भोज देना लोकातीत एकात्मता है। ऐसी सदाशय व उत्तुंग अलौकिकता भारतीय दर्शन में ही संभव है। यूँ भी सनातन परंपरा में प्रेत से प्रिय का अतिरेक अभिप्रेरित है। पूर्वजों के प्रति श्रद्धा प्रकट करने की ऐसी परंपरा वाला श्राद्धपक्ष संभवत: विश्व का एकमात्र अनुष्ठान है।

इस अनुष्ठान के निमित्त प्राय: हम संबंधित तिथि को संबंधित दिवंगत का श्राद्ध कर इति कर लेते हैं। अधिकांशत: सभी अपने घर में पूर्वजों के फोटो लगाते हैं। नियमित रूप से दीया-बाती भी करते हैं।

दैहिक रूप से अपने माता-पिता या पूर्वजों का अंश होने के नाते उनके प्रति श्रद्धावनत होना सहज है। यह भी स्वाभाविक है कि व्यक्ति अपने दिवंगत परिजन के प्रति आदर व्यक्त करते हुए उनके गुणों का स्मरण करे। प्रश्न है कि क्या हम दिवंगत के गुणों में से किसी एक या दो को आत्मसात कर पाते हैं?

बहुधा सुनने को मिलता है कि मेरी माँ परिश्रमी थी पर मैं बहुत आलसी हूँ...क्या शेष जीवन यही कहकर बीतेगा या दिवंगत के परिश्रम को अपनाकर उन्हें चैतन्य रखने में अपनी भूमिका निभाई जाएगी?... मेरे पिता समय का पालन करते थे, वह पंक्चुअल थे।...इधर सवारी किसी को दिये समय से आधे घंटे बाद घर से निकलती है। विदेह स्वरूप में पिता की स्मृति को जीवंत रखने के लिए क्या किया? कहा गया है,

यद्यष्टाचरति श्रेष्ठस्तत्तदेवेतरो: जनः।
स यत्प्रमाणं कुरुते लोकस्तदनुवर्तते।।

अर्थात श्रेष्ठ मनुष्य जो-जो आचरण करता है, दूसरे मनुष्य वैसा ही आचरण करते हैं। वह जो कुछ प्रमाण देता है, दूसरे मनुष्य उसी का अनुसरण करते हैं। भावार्थ है कि अपने पूर्वजों के गुणों को अपनाना, उनके श्रेष्ठ आचरण का अनुसरण करना उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

विधि विधान और लोकाचार से पूर्वजों का श्राद्ध करते हुए अपने पूर्वजों के गुणों को आत्मसात करने का संकल्प भी अवश्य लें। पूर्वजों की आत्मा को इससे सच्चा आनंद प्राप्त होगा।

बोध कथा

अनोखी कुश्ती

बहुत समय पहले की बात है, एक गाँव में दो आदमी रहते थे। उम्र, कद-काठ और स्वभाव में वे एक जैसे थे। वे हमेशा साथ रहते और जब कभी अकेले रहना पड़ता तो उनको लगता जैसे समय उन्हें दुखी करने के लिए ठहर गया हो। ज़िंदगी में चाहे कितने भी दुख और मुसीबतें क्यों न आईं, दोनों ने एक-दूसरे का हाथ इस तरह थामा जैसे दो जिस्म एक जान हों। उनके नाम खुशिआ और हसुआ थे। उनकी कई कहानियाँ और किस्से लोग आज भी बड़े चाव से याद करते हैं।

बुज़ुर्ग कहते हैं कि एक बार उनके मन में विचार आया कि क्यों न बाहर जाकर दुनिया देखी जाए। बस फिर क्या था दोनों ने तैयारी कस ली और चल पड़े । वे कितने ही शहरों, गाँवों और कस्बों में घूमे। कितने ही जंगलों और नदियों को पार किया । ऐसे ही घूमते-घूमते वे एक बार किसी गाँव के बाहर पहुँचे। वहां उन्होंने बहुत बड़ी भीड़ देखी। उन्होंने सोचा, 'यह कैसी भीड़ है? चलो खुद ही देख लेते हैं।' उन्होंने देखा सामने अखाड़ा खोदा गया था और कुश्ती की तैयारी हो रही थी। यह सारे लोग बाघा और शेरा की कुश्ती देखने के लिए आए थे।

दोनों के बीच कुश्ती शुरू हो गई, दोनों ही बहुत मज़बूत पहलवान थे। भीड़ में कई लोग चिल्लाने भी लगे। जब दोनों में से कोई दांव लगाता, तो भीड़ में से कोई ताली बजाता और फिर क्या होता, बस पूछिए मत; उसके पीछे तालियों की बौछार होने लगती। जब वे एक-दूसरे के दांव-पेंच को बचाते तो शोर मच जाता। काफ़ी देर तक ऐसे ही कुश्ती चलती रही, ऐसा लग रहा था कि दोनों में से कोई हारेगा नहीं।

भीड़ बढ़ती ही चली जा रही थी। इतने में शेरे ने जरा सा भीड़ की तरफ देखा और बाघे ने ऐसा दांव लगाया के शेरा चित्त हो गया । लोग चिल्लाने लगे और आसमान तालियों से गूंज उठा। बाघा खुशी के मारे कुलांचें भरने लगा और तालियाँ बजाने लगा। लोगों ने उसे अपने कंधों पर उठा लिया। शेरा उदास होकर एक तरफ़ बैठ गया। वह मायूस होकर सोचने लगा, 'मैंने भी तो कोई कसर नहीं छोड़ी।' किसी ने उसकी परवाह तक नहीं की।

यह देखकर हसुआ गाँव के मुखिया के पास गया। उसने मुखिया से पूछा, अगर मैं और मेरा साथी तुम्हें कुश्ती दिखाएँ, तो तुम्हें कोई आपत्ति तो नहीं होगी ? गाँव का मुखिया थोड़ा मुस्कुराया और बोला, 'नहीं, भला इसमें हमें क्या आपत्ति हो सकती है।' खुशिआ और हसुआ कमर में लंगोट बाँधे अखाड़े में आ गए। काफ़ी देर तक दोनों ने अपने अद्भुत कौशल का प्रदर्शन किया। लोग उनके दांव-पेचों की सराहना करते रहे। बाघा और शेरा भी इस लड़ाई का आनंद ले रहे थे। सब एक-दूसरे के आगे खड़े होकर कुश्ती देखने की कोशिश करने लगे। ऐसा लग रहा था जैसे दोनों ने मिलकर मेला लूट लिया हो। आखिरकार, खुशिए ने हसुए को पटक दिया। लोग एक-दूसरे से बढ़ चढ़कर ज़ोर-ज़ोर से चिल्लाने लगे ।

यह क्या ? हसुआ भी खुशी से नाचने लगा। शेरा, बाघा और कई अन्य लोग अचंभित होकर उसे निहारने लगे। उनमें से एक ने उससे पूछा, तुम तो कुश्ती हार गए हो, फिर भी इतने खुश क्यों हो? वह फिर हँसा और बोला, मैं खुश क्यों न होऊँ? मैंने भी अपनी तरफ़ से बेहतरीन कुश्ती दिखाई, तभी तो मेरे साथी ने इतनी अच्छी कुश्ती दिखाई और मुझे हरा दिया। अगर मैं इतनी अच्छी कुश्ती नहीं दिखाता, तो वह भी अच्छी कुश्ती कैसे दिखा पाता? और वैसे, वह भी तो मेरा दोस्त ही है। गाँव के मुखिया को बात समझ में आ गई। इनाम देते हुए उसने शेरे को भी बराबर का सम्मान और इनाम दिया और हसुए-खुशिए को कई दिनों तक अपने गाँव में मेहमान बनाकर रखा।

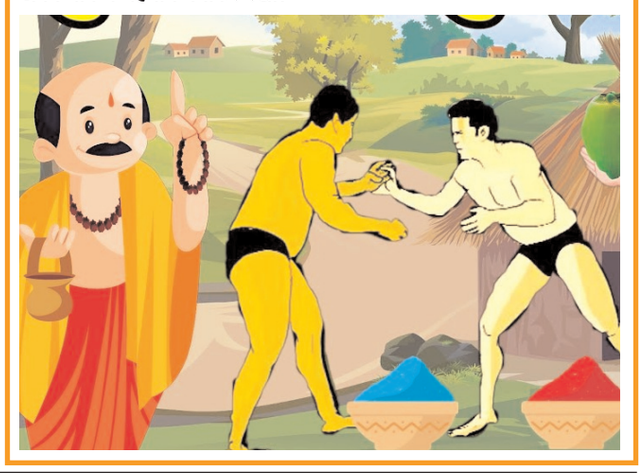

पुष्पेश कुमार पुष्प
मोबाइल : 9135014901

इंतजार

मैडम मारिया के यहां काम करते हुए हेली को लगभग दो वर्ष हो चुके थे। लेकिन मैडम मारिया के घर हर शनिवार को होने वाली पार्टी का राज आज तक समझ नहीं पायी थी।

हेली इस राज पर से परदा उठाना चाहती थी, लेकिन पार्टी देर रात तक चलती थी और हेली को थकान के कारण नींद सताने लगती और वह प्राय : मैडम मारिया के घर पर ही एक खाली पड़े कमरे में सो जाया करती थी। आज शनिवार था। आज उसने इस राज पर से परदा उठाने का निश्चय कर लिया था। रात की पार्टी में काफी सारे लोग आये थे। मैडम मारिया गुलाबी साड़ी में सजी-संवरी लोगों के बीच आकर्षण का केन्द्र बनी हुई थी। लेकिन लोगों में एक प्रकार की अजीब-सी उदासी छायी थी।

तभी एक वृद्ध व्यक्ति एक तीस वर्ष के एक युवक को लेकर मैडम मारिया के पास आये और बोले - मैडम ! यह अजय है।

लेकिन मैडम मारिया बिना उसे देखे हाथ जोड़े आगे बढ़ गयी।

तभी उस वृद्ध व्यक्ति ने उसे समझाते हुए कहा - दरअसल यह पार्टी मैडम मारिया अपने पति के आने की खुशी में देती हैं। लेकिन दुर्भाग्य यह है कि अब उनके पति कभी वापस लौटकर नहीं आएंगे।

युवक ने पूछा - क्यों ?

वृद्ध व्यक्ति ने कहा- मैडम मारिया के पति पटना में उच्च अधिकारी थे और हर शनिवार को मैडम मारिया के पास आते थे। मैडम मारिया उनके आगमन की खुशी में ही यह पार्टी देती थी। लेकिन उस शनिवार की रात मैडम मारिया के पति अनिल की एक भयानक सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गयी और उनके शरीर के परखच्चे उड़ गये। उनकी लाश टुकड़ों में विभाजित हो गयी। लेकिन मैडम मारिया आज भी उस दुर्घटना के सच नहीं मानती और आज भी अपने पति की आने की प्रतीक्षा कर रही हैं। क्या तुम मैडम मारिया की उदास जिंदगी में अनिल बनकर बहार ला सकते हो, क्योंकि तुम्हारा चेहरा अनिल से जैसा ही है?

लेकिन वह युवक इस सवाल के जवाब में मौन धारण कर लिया और वहां से निकल गया।

हेली मैडम मारिया के पार्टी देने के इस राज को जानकर दंग रह गयी और यह सोचने पर विवश हो गयी कि आखिर मैडम मारिया की यह इंतजार कब खत्म होगी ! यह सोचते हुए वह शून्य में खो गयी।

वीर गाथा

मेजर मल्लारामा गोपाल नायडू : हिंदुस्तान के शेर ने पाकिस्तान के 5 आतंकवादियों को किया था ढेर

मेजर मल्लारामा गोपाल नायडू का जन्म 16 जून, 1995 को आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले में स्थित नागरीपेंटा गांव में हुआ था। माता एम हेमामालिनी और पिता एम अप्पाला नायडू के बहादुर बेटे मल्लारामा ने आतंकवादियों के खिलाफ अभियान में वीरता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था। वे मराठा लाइट इन्फेंट्री रेजिमेंट में भर्ती हुए थे। बाद में उन्हें 56 आरआर में भेज दिया गया था।

मेजर मल्लारामा 26 अक्टूबर, 2023 को कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा पर तैनात एक एंबुश पार्टी का नेतृत्व कर रहे थे। दरअसल सेना को अपने खुफिया सूत्रों से सूचना मिली थी कि कुछ आतंकवादी घुसपैठ की कोशिश कर सकते हैं। सुबह के सवा 10 बजे थे। अचानक जवानों ने पांच आतंकवादियों को आते देखा। उनके खिलाफ ज्यादा असरदार कार्रवाई करने के लिए मल्लारामा ने जवानों को जगह बदलने को कहा। जब गोलीबारी शुरू हुई तो आतंकवादियों के होश उड़ गए। वे जान बचाने के लिए पत्थरों के पीछे छिप गए थे।

मल्लारामा बड़ा जोखिम लेते हुए आगे बढ़े और उस जगह का पता लगा लिया, जहां आतंकवादियों ने पनाह ले रखी थी। वे कुछ और आगे गए, देखा कि एक आतंकवादी हमारे जवानों पर गोलीबारी करने ही जा रहा था। मल्लारामा ने उसे निशाने पर लिया और वहीं उसका किस्सा खत्म कर दिया। इसके बाद उन्होंने एक और आतंकवादी को मार गिराया।

मल्लारामा ने गोलियों की बौछार के बीच तीसरे आतंकवादी को भी धराशायी कर दिया। एक आतंकवादी गुफा में छिपा हुआ था। मल्लारामा उसका खात्मा करने के लिए आगे बढ़े।

उसने उन पर ग्रेनेड फेंका। इस हमले से मल्लारामा बाल-बाल बचे, लेकिन आतंकवादी को मार गिराया। उस दिन वहां मौजूद सभी आतंकवादियों का सफाया कर दिया गया।

अभियान की योजना बनाने, उसे क्रियान्वित करने और अपने जवानों की जान बचाते हुए आतंकवादियों को धराशायी करने में मेजर मल्लारामा गोपाल नायडू ने अत्यंत वीरता और साहस का परिचय दिया। उन्हें 'कीर्ति चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्वागत

[illegible]

ज्ञान वही है जो हमें अज्ञान, भय और बंधनों से मुक्त कर आत्मबल प्रदान करे : आनंदीबेन पटेल

सहारनपुर । उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शनिवार को कहा कि ज्ञान वही है जो हमें अज्ञान, भय और बंधनों से मुक्त कर आत्मबल प्रदान करता है।राज्यपाल एवं राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में शनिवार को मां शाकुम्भरी विश्वविद्यालय (सहारनपुर) का तृतीय दीक्षांत समारोह सम्पन्न हुआ। अपने संबोधन में राज्यपाल ने कहा, ज्ञान वही है जो हमें अज्ञान, भय और बंधनों से मुक्त कर आत्मबल प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि यह केवल डिग्रियों का उत्सव नहीं है, बल्कि ज्ञान के प्रति हमारी निष्ठा, सत्य की खोज और जीवन में उद्देश्यपूर्ण योगदान का संकल्प है।

पटेल ने कहा कि सच्चे भारतीय होने का अर्थ केवल अपने अतीत पर गर्व करना नहीं है, बल्कि उस ज्ञान और परंपरा को अपने जीवन में उतारकर समाज एवं राष्ट्र के विकास के लिए समर्पित करना है। उन्होंने कहा, जब हम शिक्षा की बात करते हैं, तो हमें गर्व से कहना चाहिए कि भारत आज विश्व मंच पर नई ऊंचाइयों को छू रहा है। वर्ष 2014 में केवल 11 विश्वविद्यालयों के साथ विश्व रैंकिंग में शामिल भारत, आज 54 विश्वविद्यालयों के साथ पांच गुना प्रगति कर चुका है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार इस अवसर पर राज्यपाल द्वारा विद्यार्थियों को कुल 24,875 उपाधियां प्रदान की गईं, जिनमें से 66 प्रतिशत उपाधियां छात्राओं को तथा 34 प्रतिशत उपाधियां छात्रों को मिलीं। कुल 90 पदकों में से 66 पदक छात्राओं ने तथा 24 पदक छात्रों ने प्राप्त किए।

गरबा

शनिवार को सूरत के उमिया धाम मंदिर में 'नवरात्रि' के नौ दिवसीय उत्सव के लिए गरबा नृत्य का अभ्यास करती महिलाएँ।

एच-1बी वीजा कार्यक्रम का दुरुपयोग राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा : ट्रंप

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एच-1बी वीजा आवेदन पर 1,00,000 डॉलर का शुल्क लगाने संबंधी सरकारी आदेश पर हस्ताक्षर करते हुए कहा कि एच-1बी कार्यक्रम का दुरुपयोग राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है।

ट्रंप ने 'कुछ गैर आप्रवासी कामगारों के प्रवेश पर रोक' संबंधी सरकारी आदेश पर शुक्रवार को हस्ताक्षर किए। इस फैसले के तहत उन कामगारों के अमेरिका में प्रवेश पर रोक लगाई जाएगी, जिनके एच1बी आवेदन के साथ 100,000 अमेरिकी डॉलर का भुगतान नहीं किया गया होगा।

ट्रंप ने कहा, एच-1बी गैर आप्रवासी वीजा कार्यक्रम अस्थायी कामगारों को अमेरिका में लाने के लिए बनाया गया था ताकि वे अतिरिक्त, बेहद-कुशल कार्य कर सकें। लेकिन अमेरिकी

कामगारों की जगह सस्ते और निम्न प्रशिक्षित कामगारों को लाकर वीजा कार्यक्रम का दुरुपयोग किया गया। उन्होंने कहा, एच-1बी कार्यक्रम का दुरुपयोग राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए ख़तरा है। घरेलू कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने एच-1बी पर निर्भर आउटसोर्सिंग कंपनियों की पहचान और जांच की है, जो वीजा धोखाधड़ी, धन शोधन की साजिश... और विदेशी कर्मचारियों को अमेरिका आने के लिए प्रोत्साहित करने वाली विभिन्न अवैध गतिविधियों में शामिल पाई गई हैं। उन्होंने कहा, इस कार्यक्रम के बड़े पैमाने पर दुरुपयोग से हमारी आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा को जो गंभीर नुकसान पहुंचा है उसके लिए तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है। इसलिए, मेरा मानना है कि कुछ विदेशी कामगारों को अमेरिका में बेरोकटोक दाखिल होने देना अमेरिका के हितों के लिए हानिकारक होगा। इस तरह के प्रवेश से अमेरिकी कामगारों को नुकसान होगा जिसमें उनके वेतन में कटौती भी शामिल है।

ट्रंप ने आदेश दिया कि गृह मंत्री घोषणा के प्रभावी होने की तिथि यानी 21 सितंबर 2025 से उन आवेदनों पर निर्णय लेने पर रोक लगाएंगे जिनके साथ 100,000 अमेरिकी डॉलर का भुगतान नहीं किया गया होगा।

'अर्थ' से पूर्व मेरा करियर खत्म मान लिया गया था, महेश भट्ट ने साझा की शुरुआती विफलताओं की कहानी

मुंबई/भाषा। फिल्म निर्देशक महेश भट्ट ने कहा है कि वह आज भी खुद को एक ''लड़खड़ाता और ठोकर खाता इंसान'' मानते हैं, जिन्होंने जब फिल्म उद्योग में कदम रखा तब लगातार असफलताएं झेलीं। महेश भट्ट ने दिवंगत राज खोसला के सहायक निर्देशक के रूप में काम किया था। उन्होंने 1974 में 'मंजिलें और भी हैं' से निर्देशन में कदम रखा। हालांकि कबीर बेदी और प्रेमा नारायण अभिनीत यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर नहीं चली। इसके बाद उन्होंने 'विश्वासघात, नया दौर, लहू के दो रंग' जैसी फिल्में बनाईं, जो दर्शकों पर कुछ खास असर नहीं छोड़ पाईं।

महेश भट्ट को तब सफलता मिली जब उन्होंने आत्मकथा पर आंशिक रूप से आधारित फिल्में-- 'अर्थ, जन्म, जख्म' बनायीं। उन्होंने कहा, 20 की उम्र के बाद का एक दशक मेरे लिए बहुत खराब रहा। मेरी तीन-चार फिल्में आईं लेकिन लगातार नाकामयाब रहीं। 'अर्थ' फिल्म रिलीज होने के पहले समझ लिया गया कि मेरा करियर खत्म हो गया हैं। उन्होंने कहा, मैं बस एक संघर्षरत, लड़खड़ाता और हकलाता हुआ इंसान हूं। कुछ फिल्में मैंने बनाईं जो अच्छी निकलीं लेकिन वे सेट पर मौजूद सामूहिक ऊर्जा और मेरे साथियों के योगदान के वजह से थीं।

निर्देशक-निर्माता नानाभाई भट्ट के बेटे महेश भट्ट (76) ने बताया कि उन्होंने कभी खुद को फिल्मकार नहीं माना क्योंकि वह केवल रोजगार की तलाश में इस उद्योग में आए थे। उन्होंने कहा, 15 साल की उम्र में मेरी मां ने मुझसे कहा, तुम्हारे पापा मुश्किल में हैं, हमें पैसे की जरूरत है। तुम्हारी बहन 'एयरोस्पेस इंजीनियर' के रूप में काम करने लगी है। तुम यहां बैठे हो और मेरे सामने खा रहे हो, मुझे ये अच्छा नहीं लगता। उन्होंने याद करते हुए कहा, मैंने खाना वहीं रख दिया, हाथ पोंछे और अपने दोस्त असगर अली के पास जाकर चिल्लाया: ''मुझे कोई काम दिला। मैंने पवई स्थित किलिक निक्सन में टर्नर और फिटर के रूप में काम शुरू किया। मेरी पहली हफ्ते की तनख्वाह 58 रुपए थी... मैंने वो पैसे अपनी मां को दिए। मैंने बस खाने के लिए काम किया।

महेश भट्ट ने बताया कि वह अच्छे विद्यार्थी नहीं थे और कॉलेज छोड़ दिया था लेकिन उन्हें कहानियां सुनाकर जीवन में आगे बढ़ने की कला आती थी। उन्होंने कहा, मेरा बचपन शायद सामान्य घरों के मानकों के अनुसार कुछ हद तक त्रस्त था। मैंने खुद को संभालने के लिए कहानियों का सहारा लिया।

हफ्ते में एक दिन की छुट्टी जरूरी : नायरा

मुंबई/एजेन्सी

टीवी और फिल्म इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेस नायरा बनर्जी ने टीवी इंडस्ट्री के थकाऊ वर्क कल्चर पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने बताया कि कैसे लंबे समय तक शूटिंग करने से कलाकारों की सेहत, नींद और परफॉर्मेंस पर असर पड़ता है। नायरा बनर्जी ने कहा है कि एक्टर्स को अच्छा काम तभी मिल सकता है जब वे मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रहें। हफ्ते में एक दिन की छुट्टी या कम से कम आधे दिन का ब्रेक जरूरी होना चाहिए ताकि कलाकार अपने परिवार, निजी जिंदगी और खुद के लिए समय निकाल सकें। उन्होंने बताया कि बिना आराम के कोई भी कलाकार अपने किरदार को पूरी ऊर्जा और भावनाओं के साथ नहीं निभा सकता।

नायरा बनर्जी ने कहा, टीवी इंडस्ट्री में 15-15 घंटे की शूटिंग आम बात है, जो बेहद थकाऊ होती है। जब भी मैं कोई नया शो साइन करती हूं, तो पहले ही यह तय कर लेती हूं कि हफ्ते में कम से कम एक दिन की छुट्टी जरूर मिले। मैं चाहती हूं कि काम और जिंदगी के बीच एक संतुलन बना रहे, ताकि ना सिर्फ मेरा प्रोफेशनल काम अच्छा हो बल्कि मेरी पर्सनल लाइफ भी ठीक चले। अगर एक्टर्स को खुद के लिए समय नहीं मिलेगा, तो नतीजे उनके काम और सेहत दोनों पर नजर आएंगे। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह इस समय कोई टीवी शो करना चाहेंगी, तो उन्होंने कहा, हां, लेकिन सिर्फ अपनी शर्तों पर। अगर रोल दमदार हो, शूटिंग की जगह पास में हो जैसे कि फिल्म सिटी, डायरेक्टर अच्छा हो, चैनल भरोसेमंद हो, और मेहनताना ठीक-ठाक हो, तो मैं शो करने के लिए तैयार हूं। उन्होंने कहा कि वह अब समझदारी से प्रोजेक्ट्स चुनती हैं और किसी भी तरह के दबाव में आकर काम नहीं करना चाहतीं। अपने करियर के बारे में बात करते हुए नायरा बनर्जी ने कहा, ''मैं खुद को लकी मानती हूं क्योंकि मुझे कभी किसी एक छवि में नहीं बांधा गया।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता शनिवार को नई दिल्ली स्थित डॉ. अंबेडकर विश्वविद्यालय के कर्मपुरा परिसर में नए भवन परिसर के उद्घाटन के दौरान।

सलमान खान ने सिर्फ़ 45 दिनों में पूरी की 'बैटल ऑफ गलवान' की शूटिंग

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने अपनी आने वाली फिल्म बैटल ऑफ गलवान की शूटिंग सिर्फ 45 दिनों में पूरी कर ली है। अपूर्व लखिया के निर्देशन में बनी यह फ़िल्म 2020 की गलवान घाटी में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हुई भयानक लड़ाई के समय में फिर से लेकर जाती है। उस समय सीमा पर हुआ यह एक दुर्लभ संघर्ष था, जिसमें सैनिकों ने बिना किसी हथियार के लड़ाई लड़ते हुए जान गंवाई थी। सैनिकों ने लाठी और पत्थरों से आमने-सामने की लड़ाई लड़ी थी, जिससे यह हाल के भारतीय इतिहास की सबसे ज़्यादा भावनात्मक कहानियों में से एक बनकर सामने आई। अपनी दमदार कहानी और कमाल की स्टार कास्ट के साथ बैटल ऑफ गलवान हाल के सालों में भारतीय सेना को समर्पित सबसे असरदार सिनेमाई श्रद्धांजलि बनने जा रही है।

सलमान खान ने फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' की शूटिंग 45 दिनों के शेड्यूल में अच्छी तरह से पूरी कर ली है। ऐसे में निर्देशक अपूर्व लाखिया ने सोशल मीडिया पर फिल्म के सेट के कुछ खास पर्दे के पीछे के लम्हों को साझा किया है।अपूर्व ने सलमान के साथ बातचीत की एक तस्वीर शेयर की। उन्होंने लिखा, 45 दिन पूरे हुए। उन्होंने शूटिंग लोकेशन से भी कई तस्वीरें शेयर कीं। बैटल ऑफ गलवान में सलमान खान के साथ चित्रांगदा सिंह भी अहम भूमिका में हैं।

रजनीकांत के सुनहरे 50 सालः प्राइम वीडियो ने खास वीडियो से दिया ट्रिब्यूट

मुंबई/एजेन्सी

प्राइम वीडियो ने दक्षिण भारतीय फिल्मों के महानायक रजनीकांत के शानदार 50 साल के सिनेमाई सफर का जश्न मनाते हुए एक बेहद खास ट्रिब्यूट वीडियो जारी किया है। यह वीडियो रजनीकांत की तमिल एक्शन थ्रिलर कुली के लॉन्च के साथ आया है। इस खास वीडियो में डायरेक्टर लोकेश कनगराज और म्यूज़िक कंपोज़र अनिरुद्ध भी नज़र आ रहे हैं, जिन्होंने रजनीकांत के इस ऐतिहासिक सफर को और यादगार बना दिया है। वीडियो में रजनीकांत के आइकॉनिक स्टाइल, उनके बेमिसाल ऑन-स्क्रीन प्रेज़ेंस और पीढ़ियों से चले आ रहे उनके फैंस के साथ गहरे कनेक्शन को खूबसूरती से दिखाया गया है।

जश्न और वीडियो को और खास बनाने के लिए, प्राइम वीडियो ने चेन्नई भर में एक हाई-इम्पैक्ट बिलबोर्ड कैंपेन भी शुरू किया है। इसमें रजनीकांत के सबसे मशहूर पंचलाइनों को नए अंदाज़ में पेश किया गया है, जो उनके फैंस की तरफ़ से इस लीजेंड को एक अनोखा ट्रिब्यूट है।चेन्नई की सड़कों पर लगे ये बिलबोर्ड पूरे शहर को एक लिविंग कैनवास में बदल देते हैं, जहां हर कोना रजनीकांत के शानदार करियर और उनकी विरासत का जश्न मनाता दिखाई देता है।

'कुली' अब तमिल में स्ट्रीम हो रही है, साथ ही इसका डब्ड वर्ज़न तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ में भी प्राइम वीडियो पर भारत और दुनिया के 240 से ज़्यादा देशों व इलाकों में उपलब्ध है। यह फिल्म एक जबरदस्त एक्शन थ्रिलर का अनुभव देती है, जिसमें न्याय, वफादारी और हाई-ऑक्टेन ड्रामा का तड़का है, जो दर्शकों को सीट से बांधे रखता है।रिलीज के बाद से ही 'कुली' दुनिया भर में ट्रेंड कर रही है और 20 से ज़्यादा देशों, जिनमें भारत, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर, हांगकांग, यूएई शामिल हैं, वहां टॉप 10 मूवीज़ की लिस्ट में जगह बना चुकी है।

'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में फिर साथ नजर आएंगे लक्ष्य और राघव जुयाल

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म किल में एक-दूसरे के दुश्मन बने अभिनेता लक्ष्य और राघव जुयाल अब नेटफ्लिक्स की नयी सीरीज द बैड्स ऑफ बॉलीवुड में एक साथ नजर आएंगे। दोनों कलाकारों का कहना है कि उनकी आपसी समझ और दोस्ती ही सीरीज में उनके बीच बनी कैमिस्ट्री को और गहरा बनाती है। साल 2023 में आयी फिल्म किल में जुयाल ने एक हिंसक ट्रेन लुटेरे की भूमिका निभाई थी, जिसका सामना छुट्टी पर आए एक कमांडो से होता है। वहीं, इस नयी सीरीज में लक्ष्य एक उभरते हुए युवा अभिनेता का किरदार निभा रहे हैं और जुयाल उनके सबसे अच्छे दोस्त की भूमिका में हैं। यह अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान के निर्देशन में बनी पहली सीरीज है, जिसमें आमिर खान, शाहरुख खान, सलमान खान, करण जौहर, रणवीर सिंह समेत फिल्म उद्योग के कई सितारे अतिथि भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

लक्ष्य के साथ दोबारा काम करने के अनुभव पर जुयाल ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, हम एक-दूसरे को समझते हैं, हमारे दोस्त भी एक जैसे हैं। हम पैकेज में आते हैं। लक्ष्य ने बताया कि किल की शूटिंग के दौरान ही उनकी ऑफ-स्क्रीन दोस्ती हो गयी थी और इस सीरीज ने उस दोस्ती को पर्दे पर उतारने का मौका दिया। उन्होंने जुयाल की तारीफ करते हुए कहा, मैं उन्हें समझता हूं। मुझे आमतौर पर लोग समझ नहीं आते क्योंकि वे कुछ कहते हैं और करते कुछ और हैं, लेकिन राघव दिल से बोलते हैं। उनमें साफगोई और ईमानदारी झलकती है।

लक्ष्य ने कहा कि एक उभरते अभिनेता का किरदार निभाने के लिए उन्होंने शाहरुख खान से प्रेरणा ली। उन्होंने कहा, इस किरदार के लिए मैंने खुद के अनुभव से भी काफी कुछ सीखा और सर (शाहरुख़ ख़ान) के कई साक्षात्कार देखे। उनसे प्रेरणा ली। जब भी मैं अटक जाता था तो आर्यन (ख़ान) को देखता था क्योंकि बेटा होने के नाते वह मुझे सही दिशा देते थे। राघव जुयाल ने बताया कि उन्होंने इस सीरीज में अपने किरदार को गढ़ने के लिए अपने एक करीबी दोस्त तबेश से प्रेरणा ली। उन्होंने कहा, मैंने उसकी आदतें अपनाई हैं क्योंकि उसके जीवन में लिए गए फैसले मेरे किरदार से मेल खाते हैं। जैसे, वह किसी के सामने कुछ भी कह सकता है, किसी भी तरह का 'जुगाड़' कर सकता है। लक्ष्य और जुयाल दोनों ने फिल्म उद्योग में अपने दम पर पहचान बनायी है और यह साबित किया है कि अगर प्रतिभा हो तो सफलता मिलती ही है।

हिंदी से बंगाली सिनेमा तक, मेघना नायडू ने सभी भाषाओं में दी शानदार फिल्में

मुंबई/एजेन्सी

मेघना नायडू ने भारतीय सिनेमा की कई भाषाओं में काम करके खुद को एक अलग मुकाम दिया है। हिंदी फिल्मों के साथ-साथ तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम, मराठी और बंगाली फिल्मों में उनकी मौजूदगी ने यह साबित किया है कि मेघना सिर्फ बॉलीवुड तक सीमित नहीं हैं। इस वजह से उन्हें मल्टीटास्कर एक्ट्रेस कहा जा सकता है। मेघना नायडू का जन्म 19 सितंबर 1980 को आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में हुआ था। उनके पिता एयर इंडिया में काम करते थे और एक टेनिस कोच भी थे, जबकि उनकी मां स्कूल टीचर थीं। मेघना का बचपन मुंबई में बीता, जहां उन्होंने अपनी पढ़ाई पूरी की। उन्होंने अंधेरी से बीकॉम की डिग्री हासिल की। बचपन से ही मेघना को डांस का शौक था और उन्होंने सात साल तक भरतनाट्यम का प्रशिक्षण भी लिया। इसके अलावा, वे चार साल तक अमेरिका में टेनिस की कोचिंग भी दे चुकी हैं।

मेघना ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की थी। 18 साल की उम्र में तेलुगु फिल्म 'प्रेमा साक्षी' से उन्होंने अभिनय की दुनिया में कदम रखा। इसके बाद उन्होंने तेलुगु के साथ-साथ कन्नड़ फिल्मों में भी काम किया। उन्हें बड़ा ब्रेक 2002 में म्यूजिक वीडियो 'कलियों का चमन' से मिला। यह

गाना रिमिक्स वर्जन में था, जिसे लता मंगेशकर के गाने 'थोड़ा रेशम लगता है' पर बनाया गया था। इस म्यूजिक वीडियो ने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया। इसके बाद मेघना ने फिल्म 'हवस' के जरिए बॉलीवुड में कदम रखा, जिसमें उन्होंने बोल्ड भूमिका निभाई। इसके बाद उन्होंने 'जैकपॉट', 'माशूका', 'क्वालिटी ऑफ लव' जैसी फिल्मों में भी काम किया। हालांकि, बॉलीवुड में उनका करियर ज्यादा लंबा नहीं चला, लेकिन उन्होंने साउथ फिल्मों में लगातार काम किया। तमिल, तेलुगु, मलयालम, बंगाली और कन्नड़ भाषाओं की फिल्मों में उन्होंने अपनी बहुमुखी प्रतिभा दिखाई।

मेघना नायडू की बहुभाषी फिल्मों में काम करने की वजह से उन्हें विभिन्न क्षेत्रों के दर्शकों ने भी पहचाना। वे सिर्फ हिंदी सिनेमा की ही नहीं बल्कि दक्षिण भारतीय सिनेमा की भी लोकप्रिय अभिनेत्री रहीं। इसके साथ ही, उन्होंने टीवी की दुनिया में भी कदम रखा और 'खतरों के खिलाड़ी' और 'डांसिंग क्वीन' जैसे रियलिटी शो में हिस्सा लिया। वे टीवी सीरियल 'जोधा अकबर' और 'ससुराल सिमर का' में भी नजर आईं। मेघना ने टेनिस खिलाड़ी लुइस मिगुएल रीस से शादी की और अब वे दुबई में अपने पति के साथ रहती हैं। शादी के बाद उन्होंने फिल्म और टीवी की दुनिया से दूरी बना ली, लेकिन वे सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं और अपने फैंस के साथ अपनी जिंदगी की झलकियां साझा करती रहती हैं।

RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

जीतो साउथ चैप्टर महिला विंग द्वारा महावीर धर्मशाला में दो दिवसीय बीटूसी वर्टिकल के तहत 'पीटेक्स' प्रायोजित 'उड़ान' प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। यह आयोजन महिला सशक्तिकरण और साधर्मिक सहयोग के लिए किया गया जिसमें 120 से अधिक उद्यमियों ने भाग लिया, जिनमें ज्वेलरी, फैशन, परिधान, गृह सज्जा और खाद्य पदार्थों से जुड़ी महिलाएँ शामिल थीं।

अणुव्रत ने आयोजित की 'नशा मुक्त युवा-विकासशील भारत' संगोष्ठी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। अणुव्रत समिति के तत्वावधान में शनिवार को गांधीनगर भवन में मुनि डॉ पुलकित कुमारजी व आदित्य कुमारजी के सान्निध्य में 'नशा मुक्त युवा–विकासशील भारत' संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुनिश्री ने सभी को नशा मुक्ति के लिए प्रेरित किया और संकल्प दिलाया। समिति के अध्यक्ष ललित बाबेल ने नशे के दुष्प्रभाव के बारे में बताया। इस कार्यक्रम में उपाध्यक्ष चंद्रशेखरय्या, मंत्री लाभेश कांसवा, सहमंत्री सुरेश चावत, सूरजमल पितलिया, कार्यक्रम संयोजिका कविता पोरवाल, सलाहकार कन्हैयालाल चिप्पड़, माणकचंद बलदोटा आदि अनेक सदस्य उपस्थित थे।

जैन श्रावकाचार है पृथ्वी पर सर्वश्रेष्ठ जीवनशैली : आचार्य विमलसागरसूरी

उत्तर कर्नाटक के जैन संघों का विराट अधिवेशन आज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। शनिवार को राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए आचार्य विमलसागरसूरीजी ने कहा कि जैन श्रावकाचार पृथ्वी पर गृहस्थ के लिए सर्वश्रेष्ठ जीवनशैली है। जीव–जंतु, पशु–पक्षी, मनुष्य, जलवायु और पर्यावरण, सबके प्रति सर्वाधिक न्याय इसी जीवनशैली से संभव है। सामान्य से विशेष और सरल से कठिन, इस प्रकार इसके अनेक स्वरूप हैं। यह किसी पर अपनी धार्मिक मान्यता थोपने की चेष्टा नहीं, बल्कि सुख–शांति पूर्वक अपना जीवन जीते हुए दूसरों को भी शांति तथा गौरव से जीने देने की व्यवस्था है। जैन दर्शन की मान्यता है कि परस्पर उपकार व सहयोग की भावना से ही इस संसार में जीवनयापन हो सकता है। इस तरह ज्ञान पूर्वक आई हुई वैचारिक क्रांति से ही जैन श्रावकाचार की परिपालना हो सकती है। जैन श्रावकाचार को सिर्फ धार्मिक मान्यता के रूप में देखना उचित नहीं है।

यह एक सार्वभौमिक समुचित व्यवहारिक जीवनचर्या है। जैनाचार्य ने कहा कि प्राणीमात्र को बचाने का प्रयत्न करना, बड़ी या व्यापक हिंसा न करना, पानी, बिजली, खनिज, वनस्पति आदि प्राकृतिक संपदा को बरबाद न करना, संसाधनों का मर्यादित उपयोग करना, चोरी न करना, झूठ न बोलना, वेश्यावृत्ति न करना, भोगविलास की वृत्तियों को नियंत्रित करना, व्यसनमुक्त जीवन जीना, अधिक मात्रा में साधन–सामग्रियों को एकत्रित न करना, कम नाप–तोल न करना, मिलावट न करना, विश्वासघात न करना, बकाया धन चुकता करना इत्यादि जैन श्रावकाचार के धर्मशास्त्रों में वर्णित अनेकानेक नीति–नियम हैं। ये बंधन नहीं, न्यायपूर्ण आदर्श गृहस्थ जीवन की आधारशिला है। झ्झ्गणि पद्मविमलसागरजी ने बताया कि मर्यादाओं और नीति–नियमों के बिना जीवन की गति–प्रगति का कोई निर्धारण नहीं हो सकता।

मनुष्य के भटकते मन के लिये नीति–नियम अंकुश का काम करते हैं। दोपहर को आयोजित हुए बाल संस्कार शिविर में उन्होंने बालकों के जीवन कल्याण के अनेक तथ्य समझाए।

संघ के अध्यक्ष पंकज बाफना ने बताया कि रविवार को उत्तर कर्नाटक के तेरह जिलों के जैन संघों का विराट अधिवेशन में लगभग 500 से अधिक पदाधिकारी एवं युवा संगठनों के सक्रिय कार्यकर्ताओं के शामिल होने की संभावना है ।

अर्हंत महापूजन में परमात्मा का अभिषेक सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । स्थानीय जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में दादावाड़ी प्रांगण में शतावधानी, साध्वीश्री चम्पाश्रीजी की पुण्यतिथि एवं साध्वी सुलक्षणाश्रीजी के आत्मश्रेयार्थ पंचान्हिका महोत्सव के चौथे दिन पन्यासश्री विवेकविजयजी, मलयप्रभसागरजी व साध्वी हर्षपूर्णाश्रीजी की निश्रा में अर्हंत महापूजन सम्पन्न हुआ। ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने कहा कि आज के महापूजन में परमात्मा का अनेक औषधियों और सुगन्धित द्रव्यों से अभिषेक किया गया। महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने बताया कि सकल संघ से अनेक श्रद्धालुओं ने अपनी तरफ से परमात्मा को स्वर्ण अर्पित किया, जिसको परमात्मा को अर्पण करने का लाभ शान्तिदेवी पुखराज गुलेच्छा परिवार ने लिया। परमात्मा का शांति कलश करने का लाभ कुशलराज उत्तमचंद गुलेच्छा परिवार ने लिया। अरविन्द कोठारी ने बताया कि रविवार को दादा गुरुदेव का महापूजन होगा। ललित डाकलिया ने बताया कि इस अवसर पर दादावाड़ी ट्रस्ट से जुड़ी समस्त संस्थाओं के सदस्य और पदाधिकारी उपस्थित थे।

जीतो साउथ महिला विंग की 'उड़ान' प्रदर्शनी ने भरी लम्बी उड़ान

दो दिवसीय इस प्रदर्शनी में ग्राहकों का दिखा अच्छा रेस्पांस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो साउथ चैप्टर महिला विंग द्वारा महावीर धर्मशाला में दो दिवसीय बीटूसी वर्टिकल के तहत 'पीटेक्स' प्रायोजित 'उड़ान' प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। यह आयोजन महिला सशक्तिकरण और साधर्मिक सहयोग के लिए किया गया जिसमें 120 से अधिक उद्यमियों ने भाग लिया, जिनमें ज्वेलरी, फैशन, परिधान, गृह सज्जा और खाद्य पदार्थों से जुड़ी महिलाएँ शामिल थीं। प्रदर्शनी के दोनों दिन ग्राहकों की अच्छी भीड़ देखी गई, विशेषकर युवती व महिला ग्राहकों ने जमकर खरीददारी की।

गुरुवार को उद्घाटन के मौके पर सत्तर से अधिक गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति जीतो अपेक्स के पूर्व वाइस चेयरमैन एवं मुख्य प्रायोजक प्रकाश सिंघवी, जीतो चैप्टर के सह चेयरमैन महेन्द्र रांका, महेन्द्र जियानी, राजेन्द्र दाँतेवाड़िया, राजकुमार कोठारी, मुख्य सचिव नितिन लूनिया, लेडीज विंग संयोजक प्रवीण सोफ़ाड़िया, युवा विंग चेयरपर्सन मेहुल श्रीश्रीमाल, अपेक्स मेंटर ललिता गुलेच्छा, पूर्व अध्यक्षा निशा सामर, मधु दोषी, केकेजी ज़ोन की महिला संयोजिका पिंकी जैन, श्रमण आरोग्य अपेक्स संयोजिका सुनीता गांधी, स्मॉल हाउसहोल्ड बिज़नेस संयोजिका बिंदु रायसोनी, नॉर्थ की लेडीज चेयरपर्सन लक्ष्मी बाफना, सचिव रक्षा छाजेड़, सक्षम अपेक्स की सह चेयरपर्सन मोनिका पिरगल, अपेक्स जॉब्स की सचिव भारती छज्रेड़, अल्पसंख्यक सचिव कविता पोरवाल, जीतो हॉस्टल सहसंयोजिका चित्रा मेहता, नार्थ लेडीज विंग अध्यक्ष बबीता रायसोनी, मुख्य सचिवि निधि पालरेचा ने कार्यक्रम का उदघाटन किया। कार्यक्रम का संचालन निधि पालरेचा ने किया। झ्झ्जीतो लेडीज विंग की अध्यक्ष बबीता रायसोनी ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि उड़ान केवल एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि महिलाओं के आत्मनिर्भर बनने और समाज में अपनी पहचान बनाने का सशक्त माध्यम है। इस मौके पर प्रायोजक के साथ अन्य सहप्रायोजक भी उपस्थित थे, सभी का सम्मान किया गया। उद्घाटन के मौके पर प्रकाश सिंघवी ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि उड़ान वह मंच है जहाँ पूरा जैन परिवार एकजुट होकर महिला उद्यमिता को नई दिशा देता है। नितिन लूनिया, पिंकी जैन, दिलीप जैन, श्रीपाल बच्छावत आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। उड़ान 2025 ने यह साबित कर दिया कि जब उद्देश्य बड़ा हो और सहयोग साथ हो तो कोई भी सपना अधूरा नहीं रहता। यह आयोजन न केवल महिला उद्यमिता को प्रोत्साहित करता है, बल्कि जैन समाज की एकता, सेवा और सहयोग का भी अद्वितीय उदाहरण है। इस प्रदर्शनी में लेडीज विंग की वाइस चेयरपर्सन लता बोहरा, नीलम सांड, कोषाध्यक्ष संगीता पारख, संयुक्त सचिव चंद्रा जैन, साक्षी जैन सहित प्रबंधन समिति की अनेक सदस्याओं का सहयोग रहा।

सेंट्रल संघ की युवा मंडल टीम की चार दिवसीय गुरु दर्शन यात्रा सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ बेंगलूरु सेंट्रल के मार्गदर्शन में युवा मंडल इकाई के करीब साठ सदस्यीय टीम ने चार दिवसीय गुरु दर्शन यात्रा कर शनिवार को वापस बेंगलूरु पहुंचे। युवा मंडल के अध्यक्ष प्रदीप धोका एवं मंत्री दीपक लुकड़ के नेतृत्व में इस गुरु दर्शन यात्रियों ने सोलापुर, शनि शिंगणापुर, औरंगाबाद जालना अंतरिक्ष पार्श्वनाथ, बदनापुर, पुणे आदि मंदिर के दर्शन किए। आशीष बाफना ने बताया कि यात्रियों ने अहमदनगर स्थित आनंद धाम में संतश्री कुंदनऋषिजी, आलोकऋषिजी व रमणीकमुनिजी के दर्शन कर आशीर्वाद ग्रहण किया। रमणीकमुनिजी ने कहा कि जैन धर्म में गुरु दर्शन सिर्फ एक परंपरा ही नहीं, बल्कि एक गहरा आध्यात्मिक अनुभव है। गुरु दर्शन से आत्म अनुशासन, ज्ञान की प्राप्ति एवं सांसारिक जीवन में विभिन्न बंधनों से सर्वस्व मुक्ति मिलती है। संतश्री ने कहा कि गुरु दर्शन से शिष्य की गुरु के प्रति समर्पण की प्रतिबद्धता दर्शाती है, साथ ही पांच महाव्रतों के पालन एवं बुरे कर्मों का भी क्षय होता है।

दूसरों को सुख देने से स्वयं को सुख मिलता है : साध्वी मयूरयशा

बेंगलूरु। शहर के मागड़ी रोड के सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मास हेतु विराजित साध्वी मयूरयशाजी ने अपने प्रवचन में कहा कि हमें अपनी शक्ति का उपयोग दूसरों की भलाई के लिए करना चाहिए। हम दूसरों को सुख पहुंचाएंगे तो हम सुखपूर्वक, शांतिपूर्वक, समाधिपूर्वक रह सकते हैं। दूसरों की तकलीफ में, दुख में उन्हें सांत्वना देना और प्रेम देना समाधि और शांति का कारण है। व्यक्ति में सबसे बड़ा रोग तनाव का है, अगर उसे प्रेम देंगे, वात्सल्य देंगे तो वह स्वस्थ हो जाएगा। साध्वीश्री ने कहा कि व्यक्ति का जीवन क, ख, ग में ही पूरा हो जाता है यानी कमाना, खाना और गमना। अगर हम समस्या का समाधान कर लेंगे तो दुखी नहीं होंगे। आनंद से रहने वाला, ज्यादा बोलना, हमें अपेक्षा किसी की नहीं रखनी चाहिए, दूसरों से अपेक्षा हमारे दुख का कारण है। साध्वी जी ने आश्रव भावना का वर्णन करते हुए कहा कि आठ प्रकार के कर्म में से सात प्रकार के कर्म बंधते रहते हैं, सिर्फ आयुष्य कर्म ही जीवन में एक बार बंधता है। हमें मन, वचन, काया से शुभ विचार, शुभ उच्चारण और शुभ आचार का पालन करना चाहिए।

श्री वैशाली जन कल्याण समिति (पंजी.)
पूजा स्थल : श्री तोतदा सिद्धलिंगेश्वरा कम्युनिटि हॉल
नं.6, 7वां क्रॉस, 16वां मैन रोड(ईडब्ल्यूएस), टेलीफोन एक्सचेन्ज के पास, एमईएस कॉलेज के सामने, बीटीएम लेआउट, सेकेन्ड स्टेज, बेंगलूरु
मो. 9008011119, 9845544317, 9886258645, 9845062200, 9845317854, 9591272272
नवरात्रि दशहरा महोत्सव
सोमवार, 22.9.2025 : कलश यात्रा व कलश स्थापना
सोमवार 29.9.2025 : सुबह 7 बजे नेत्र लोचन–विलोचन, महाप्तमी पूजा, मंगलाआरती, पुष्पांजलि, प्रसाद
मंगलवार, 30.9.2025 : महाष्टमी पूजा, कुमकुम अभिषेक, छप्पन भोग प्रसाद, मंगलाआरती व जागरण
बुधवार, 01.10.2025 : महानवमी पूजा, होम, कन्या पूजा, मंगलाआरती, पुष्पांजलि, महाप्रसाद
गुरुवार, 02.10.2025 : विजयदशमी, विशेष पूजा, मंगलाआरती, पुष्पांजलि, महाप्रसाद, दोपहर 3.00 बजे से विर्सजन की विशाल शोभायात्रा
यदि कोई भक्त कोई सेवा व सहयोग देना चाहता है तो सादर आमंत्रित है ।
आप सभी मां भक्त सादर आमंत्रित हैं
निवेदक : अध्यक्ष राजकुमार शर्मा 9008011119
एवं समस्त समिति सदस्य

अहंकार संयम मार्ग में सबसे बड़ी बाधा : साध्वी धैर्याश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय विल्सनगार्डन जैन स्थानक में साध्वी आगमश्री ने कहा कि प्रभुत्व पाने के लिए साधक को श्रद्धापूर्वक भक्ति करनी चाहिए। धर्म का पुरुषार्थ करते हुए आत्मोन्नति की ओर अग्रसर होना ही साधना का वास्तविक उद्देश्य है। किसी भी धर्म–आराधना के लिए मानव के अंतःस्थल को करुणा, मैत्री, प्रमोद एवं मध्यस्थ भाव से नवपल्लवित होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि वर्तमान स्थिति में संसार मोह के आधार पर संचालित हो रहा है। अहंकार से युक्त मनुष्य जब आध्यात्मिकता की ओर बढ़ता है तो उसका अहंकार ही उसके संयमी जीवन में सबसे बड़ा बाधक बन जाता है। साधक को चाहिए कि वह त्यागमय जीवन अपनाकर अपनी इन्द्रियों को नियंत्रण में रखे और आत्मा की शुद्धि की ओर अग्रसर हो।

आत्मसंयम, साधु–संयम और सदाचार ही वास्तविक प्रभु–भक्ति का आधार है। साध्वी धैर्याश्री ने कहा कि सच्चा धर्म वही है जो मनुष्य के भीतर से हिंसा, क्रोध, लोभ और अहंकार जैसे दुर्गुणों का नाश करे। आज के युग में भौतिक प्रगति के साथ–साथ आध्यात्मिक प्रगति भी अनिवार्य है। यदि मनुष्य केवल भौतिकता के पीछे भागेगा तो उसे क्षणिक सुख तो मिलेगा, पर स्थायी शांति कभी प्राप्त नहीं होगी। स्थायी सुख तभी संभव है जब हम अपने जीवन में संयम, साधना और सेवा का समावेश करें।

असम में विश्व स्तरीय फुटबॉल अकादमी का जुबिन का सपना रहा अधूरा

गुवाहाटी/भाषा। उनके गीत लाखों करोड़ों को थिरकने पर मजबूर कर देते थे तो वह खुद फुटबॉल के खेल के दीवाने थे और संगीत के अलावा खेल जुबिन गर्ग के दिल के बेहद करीब रहे। फुटबॉल के मुरीद जुबिन का दुनिया के शीर्ष संस्थानों की तर्ज पर यहां एक रिहायशी फुटबॉल अकादमी खोलने का सपना अधूरा ही रह गया। 52 वर्ष के जुबिन का शुक्रवार को सिंगापुर में बिना जीवनरक्षक जैकेट के समुद्र में तैरते समय निधन हो गया था। प्रदेश में 'सेलिब्रिटी' फुटबॉल मैचों में भाग लेने से लेकर अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट देखने तक उनके फुटबॉल प्रेम के बारे में सभी को पता था। बीसीसीआई सचिव देवाजीत सैकिया ने पीटीआई से कहा, जुबिन फुटबॉल के दीवाने थे। उन्होंने मुझे बताया था कि वह गुवाहाटी में फुटबॉल क्लब बनाने में मदद कर रहे हैं और वह यहां फुटबॉल की शीर्ष स्तरीय अकादमी भी बनाना चाहते थे। उन्होंने कहा, जब भी कोई सेलिब्रिटी फुटबॉल मैच होता तो वह इसका हिस्सा जरूर होते। सैकिया ने कहा, गुवाहाटी में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच होने पर भी वह देखने आते थे। वह क्रिकेट से जुड़े कार्यक्रमों का भी हिस्सा रहते। गुवाहाटी खेल संघ के महासचिव सैकिया ने कहा कि जुबिन को श्रृद्धांजलि देने के लिए अगले दो दिन जीसीए का कोई मैच नहीं होगा।

सिद्धार्थ सांस्कृतिक समिति (रजि.)
एवं
राजेन्द्र बाबू मेमोरियल ट्रस्ट
बिहार भवन, आर.टी. नगर, मेन रोड, बेंगलरु, मो. 99860 63270
के संयुक्त तत्वावधान में
47वां दशहरा महोत्सव - 2025
स्थल : प्रिंसेस श्राइन, पैलेस ग्राउंड गेट नं. 9, बेंगलूरु
विशेष कार्यक्रम
दि. 22.09.2025 : प्रात: 11.30 बजे अभिजित मुहूर्त में कलश स्थापना
दि. 23.9.2025 से 27.9.225 तक प्रतिदिन पूजा
आरती एवं प्रसाद सुबह 10 बजे एवं सायं 8 बजे
दि. 28.09.2025: षष्ठी पूजन, बिल्व आमंत्रण, पुष्पांजलि एवं आरती
दि. 29.09.2025 महासप्तमी पूजन, प्रतिष्ठापन, सहभोज, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं महानिशा पूजा-हवन
दि. 30.09.2025: महाष्टमी पूजन, आरती व्रतकारी डाला समर्पण, प्रसाद
दि. 01.10.2025: महानवमी पूजन, हवन, कुमारी पूजन, सहभोज एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम
दि. 02.10.2025: विजयदशमी पूजन, पुष्पाजंलि, विसर्जन, सहभोज एवं शोभायात्रा
जगत जननी मां जगदम्बा के श्रद्धालु सपरिवार सादर आमंत्रित हैं।
कृष्ण कु.सिंह(कुमार बाबू) अध्यक्ष (सि.सां.स)
मुकेश कर्ण अध्यक्ष (दशहरा महोत्सव)
सुबोध सिंह सचिव (सि.सां.स)
SCAN TO PAY
अपील: माता रानी के चरणों में यदि कोई श्रद्धालु आर्थिक सहयोग देना चाहते हैं तो क्यू आर कोड को स्कैन कर ऑनलाइन पेमेंट कर सकते हैं ।
नोट : दुर्गा पूजा महोत्सव पांडाल में स्टाल बुकिंग के लिए मोबाइल 7892237232 व 9900932482 से सम्पर्क करें।

।। जय माँ दुर्गे ।।
श्री सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद् (रजि.)
एवं राजेन्द्र बाबू मेमोरियल ट्रस्ट(रजि.) के संयुक्त तत्वावधान में
'BIHAR BHAVAN', (Opp. R.T. NAGAR POST OFFICE) BANGALORE-32
e-mail : ssparishad.rtnagar@gmail.com
सार्वजनिक दशहरा महोत्सव 2025
दि. 22.09.2025 से 02.10.2025 तक
पूजा स्थल Venue } VINAYAKA CULTURAL CENTER, Opp. BIHAR BHAVAN (Behind R. T. Nagar Post Office) R.T. Nagar, BANGALORE - 560 032
मुख्य कार्यक्रम
दि.22.09.2025, सोमवार,प्रात: 11 बजे से : कलश स्थापना, पुष्पांजलि, आरती, प्रसाद
दि.22.09.2025 से 21.10.2025 तक पुष्पांजलि, आरती, प्रसाद
दि.28.09.2025,रविवार,प्रात: 10.00 बजे : पुष्पांजलि, आरती, प्रसाद
सायं 6.00 बजे : बिल्व आमंत्रण, रात्रि 8.00 बजे : संध्या आरती, पुष्पाजंलि, प्रसाद, महाप्रसाद
दि. 29.09.2025,सोमवार सुबह 7.30 बजे से दोप.2.30 बजे: लोचन–विलोचन, प्रतिष्ठापन, आरती, प्रसाद, महाप्रसाद, रात्रि 8 बजे : संध्या आरती, पुष्पांजलि, प्रसाद तथा महाप्रसाद
मध्यरात्रि 12 से 3.00 बजे : महानिशा पूजा एवं हवन
दि. 30.09.2025,मंगलवार, प्रात: 7.30 बजे : महाष्टमी पूजन, व्रतकारी डाला समर्पण, प्रसाद
दि : 01.10.2025,बुधवार : प्रात: 10.30 बजे से : महानवमी पूजन, पुष्पाजंलि आरती
सुबह 11 बजे : कुमारी पूजा, हवन. मध्याह्न 2.30 बजे : सहभोज, रात्रि में संध्या आरती, पुष्पांजलि, प्रसाद
दि.2.10.2025, गुरुवार, प्रात: 9 बजे : माताजी का भोग, जयंती ग्रहण
पुष्पाजंलि व विसर्जन मध्याह्न 1.00 बजे : सहभोज, अपराह्न 3.00 बजे : शोभायात्रा
प्रतिदिन पूजा, आरती एवं प्रसाद प्रातः 10 बजे एवं सायं 9 बजे
प्रतिदिन भक्ति संध्या प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा सायं 7 बजे से
उपरोक्त सभी कार्यक्रमों में आप सपरिवार मित्रों सहित सादर आमंत्रित हैं ।
S.K. Upadhyay President : 9845325378
Uday Kumar Pooja Presi 8618810801
Pandit Rajguru Secretary : 9845766372
Mintu Dubey Treasurer : 9880941519
Harishchandra Jha Co-ordinator 9844022372

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com